दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 04/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 18 जुलाई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

पहली बार 67000 हजार के पार निकला सेंसेक्स, 67,007 का स्तर छुआ, निफ्टी भी 19,800 के पार निकला

सांध्यप्रकाश विशेष

सहारा के इन्वेस्टर्स को अमित शाह ने दी राहत भरी खबर

सहारा इंडिया के करोड़ों इन्वेस्टर्स लम्बे समय से अपने डूबे हुए पैसों को लेकर परेशान हैं उनके लिए यह राहत भरी खबर हैं . सभी निवेशकों के सालों से फंसे पैसे जल्द ही वापस मिल सकते हैं. विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो गृह मंत्री अमित शाह इस सिलसिले में अपना वादा जल्द पूरा करने वाले हैं और सहारा इंडिया के इन्वेस्टर्स के फंसे पैसों की पूरी वापसी के लिए एक डेडिकेटेड पोर्टल लॉन्च करने वाले हैं।

खबरों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार 18 जुलाई को सहारा रिफंड पोर्टल की शुरुआत करने वाले हैं. यह पोर्टल सहारा इंडिया के उन करोड़ों इन्वेस्टर्स के पैसों की पूरी वापसी सुनिश्चित करेगा, जो सालों से पैसों की वापसी की उम्मीद लगाए बैठे थे. खबरों की मानें तो केंद्रीय मंत्री शाह मंगलवार को सुबह 11 बजे पोर्टल की शुरुआत करेंगे। पोर्टल पर सहारा इंडिया के तमाम इन्वेस्टर्स के डिटेल्स होंगे. साथ ही इन्वेस्टर्स के इन्वेस्टमेंट और रिफंड के पात्र इन्वेस्टर्स की जानकारी भी पोर्टल पर होगी. इसके साथ ही पोर्टल पर यह जानकारी मुहैया कराई जाएगी कि सहारा में निवेश किए गए पैसों को कैसे वापस पाया जा सकता है। खबरों के अनुसार, सहारा इंडिया की विभिन्न को-ऑपरेटिव सोसायटीज में करीब 10 करोड़ लोगों के पैसे फंसे हुए हैं. इसके शिकार बने लोगों में बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की संख्या अधिक है।

देश के 75 कलेक्टर्स के साथ सम्मानित होंगे भोपाल, इंदौर सहित मप्र के 15 कलेक्टर

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के 75 जिलों के कलेक्टरों के साथ मध्य प्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टरों को नई दिल्ली में कल भूमि सम्मान से सम्मानित करेंगी। इन कलेक्टरों को डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम में बेस्ट परफारमेंस के लिए सम्मानित किया जाएगा। पिछले सालों में राजस्व विभाग की व्यवस्थाओं के अपडेशन को लेकर किए गए अच्छे कार्यों के चलते इन छोटे बड़े जिलों के कलेक्टर के सम्मानित किए जाने वाले हैं।

जिन जिलों के कलेक्टरों को 18 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी, उनमें हरदा, खरगोन, अलीराजपुर, गुना, आगर मालवा, उमरिया, नीमच, टीकमगढ़, उज्जैन, इंदौर, विदिशा, सिंगरौली, सीधी, भोपाल और अनूपपुर जिले शामिल हैं।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में इन जिलों के कलेक्टरों को डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम के अंतर्गत सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। देशभर के 75 जिलों के कलेक्टरों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया जाना है जिसमें मध्य प्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टर शामिल हैं। इन सभी कलेक्टरों को भूमि सम्मान प्लैटिनम प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग भी इस सम्मान के लिए 18 जुलाई को दिल्ली में रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीर सावरकर एयरपोर्ट पर किया नए टर्मिनल का उद्घाटन, 710 करोड़ में हुआ तैयार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बेंगलुरु में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए 26 दल इकट्ठा हुए हैं। देश की जनता कह रही है कि ये तो कट्टर भ्रष्टाचारी सम्मेलन हो रहा है। इनका लेबल कुछ और है और प्रोडक्ट कुछ और। इनका एक ही एजेंडा है- न खाता न बही, जो परिवार कहे वही सही। देश की जनता इनसे सतर्क रहे।

वे आज पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए टर्मिनल का उद्घाटन कर रहे थे। इस नए टर्मिनल भवन का निर्माण 710 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सिंधिया पोर्ट ब्लेयर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से 710 करोड़ रुपये का हवाई अड्डा भारत को समर्पित किया जा रहा है। हवाईअड्डे पर अब एक साथ 10 विमान खड़े हो पाएंगे। यानी यहां के लिए नए विमानों का भी रास्ता खुल गया है।

विपक्ष की कोशिश है कि ज्यादातर सीटों पर बीजेपी के सामने एक ही विपक्षी उम्मीदवार हो। बेंगलुरु में सोमवार को शुरू हुई दो दिवसीय विपक्षी दलों की बैठक में 26 राजनीतिक दलों के इकट्ठा होने की खबर सामने आई है।

एनडीए की होने वाली बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वर्चुअली पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का इनॉगरेशन किया।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बेंगलुरु में कट्टर भ्रष्टाचारी सम्मेलन चल रहा है। विपक्ष एक चेहरे पर कई चेहरे लगा रहा है। विपक्ष जातिवाद का जहर बेचता है। उन्होंने कहा, 2024 के लिए देश के लोगों ने हमारी सरकार वापस लाने का मन बना लिया है। ऐसे में भारत की बदहाली के जिम्मेदार कुछ लोग अपनी दुकान खोलकर बैठ गए हैं। पीएम मोदी ने सीधा वार करते हुए कहा कि जातिवादी जहर फैलाने वाले और भ्रष्टाचार करने वाले लोग बेंगलुरु में अपनी दुकान खोलकर बैठे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में हमारा भारत कहीं से कहीं पहुंच सकता था। हम भारतीयों के सामर्थ्य में कभी कोई कमी नहीं रही है, लेकिन सामान्य भारतीय के इस सामर्थ्य के साथ भ्रष्टाचारी और परिवारवादी पार्टियों ने अन्याय किया। आज देश के लोग 2024 के चुनाव में हमारी सरकार को वापस लाने का मन बना चुके हैं।

नई संविदा नीति और कर्मचारियों के डीए को केबिनेट की मंजूरी

भोपाल। मंत्रिपरिषद की बैठक में संशोधित संविदा नीति का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। संविदा नीति के अनुसार संविदा कर्मियों को 100 प्रतिशत वेतन, बीमा, सरकारी अवकाश की पात्रता और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाएगा। इसी तरह प्रदेश के कर्मचारियों को 42 प्रतिशत मंहगाई भत्ता भी दिया जाएगा। अभी 38 प्रतिशत मंहगाई भत्ता मिल रहा है, चार प्रतिशत मंहगाई भत्ता बढ़ने के बाद अब कर्मचारियों को एक जनवरी 2023 से 42 प्रतिशत मंहगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। इसमें संविदा कर्मचारियों की महापंचायत में की गई घोषणाओं की मंजूरी दी गई। 4 प्रतिशत डीए और जनवरी से जून 2023 तक 6 माह का एरियर दिए जाने के साथ ही लाडली बहना योजना में 21 वर्ष की विवाहित महिलाओं के साथ ट्रैक्टर धारक परिवार वाली महिलाओं को भी योजना का लाभ दिए जाने को कैबिनेट की मंजूरी दी गई। इसका लाभ 10 सितम्बर की किस्त में मिलेगा। सलकनपुर नील कछार 4 लेन, इंदौर इच्छापुर मार्ग से ओम्कारेश्वर नए बस स्टैंड तक 4 लेन मैहर तीर्थ स्थान सहित प्रदेश में विभिन्न स्थानों के लिए 1842 करोड रुपए की सड़कों और फ्लायओवर की भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

कैबिनेट में निवाड़ी जिले में 19 पदों की स्वीकृति दी है, उप संचालक कृषि और आत्मा परियोजना के पद इसमें शामिल हैं।

प्रदेश में 1.36 करोड़ लोग गरीबी सीमा से बाहर आए, बधाई: चौहान

मंत्री परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीति आयोग से आई अच्छी खबर के लिए मंत्री परिषद के साथियों को बधाई दी। श्री चौहान ने बताया कि नीति आयोग ने मल्टी डायमेंशनल पावर्टी इंडेक्स (राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक) जारी किया है, जिसके अनुसार मध्यप्रदेश में 15.94 प्रतिशत अर्थात 1 करोड़ 36 लाख लोग गरीबी सीमा से बाहर आए हैं, यह मध्यप्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक करोड़ 36 लाख लोगों को केंद्र और राज्य की योजनाओं से जो लाभ मिला उसके समग्र प्रभाव का यह परिणाम है। लोगों के पोषण, रहन सहन, खानपान में लगातार सकारात्मक बदलाव आया है, जो केंद्र और राज्य सरकार के कार्यक्रमों और योजनाओं के परिणाम स्वरूप ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉर्डनाइजेशन कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश के कुल 75 जिलों के कलेक्टर को सम्मानित कर रही हैं, इनमें से 15 कलेक्टर मध्यप्रदेश के हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस उपलब्धि के लिए राजस्व विभाग, तत्कालीन प्रमुख सचिव राजस्व श्री मनीष रस्तोगी, सभी संबंधित जिला कलेक्टर तथा राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलाइजेशन में लगी टीम को बधाई दी।

बेंगलुरु में 26 विपक्षी पार्टियों की बैठक शुरू

नए अलायंस और नेता के नाम पर चर्चा होगी; सोनिया या नीतीश को चेयरपर्सन बनाए जाने की अटकलें

बेंगलुरु। विपक्षी एकता की दूसरे दिन की बैठक बेंगलुरु में शुरू हो गई है। 2024 के आम चुनाव में भाजपा को हराने के लिए विपक्ष के 26 दल एक साथ आ रहे हैं। बैठक चार बजे तक चलेगी। इसके बाद सभी दलों के नेता संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इससे पहले 23 जून को पटना में 17 पार्टियां विपक्षी एकता की पहली बैठक में शामिल हुई थीं। पार्टी में फूट के बाद शरद पवार आज सीधे बैठक में शामिल होने बेंगलुरु पहुंचे।

आज होने वाली बैठक में कॉमन मिनिमम प्रोग्राम, राज्यवार गठबंधन, सीट शेयरिंग के अलावा महागठबंधन के नए नाम पर चर्चा हो सकती है। सभी दलों के साथ कोऑर्डिनेशन के लिए एक संयोजक की नियुक्ति पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी या नीतीश कुमार में से किसी एक को संयोजक बनाया जा सकता है। सोनिया गांधी के नाम पर किसी भी दल को ऐतराज नहीं होगा, क्योंकि वो प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवार नहीं होंगी।

हालांकि, दावा ये भी किया जा रहा है कि कांग्रेस इस पद को लेकर विवाद की स्थिति में पीछे भी हट सकती है। बैठक से पहले सोमवार को कांग्रेस ने विपक्ष के नेताओं को डिनर पर इनवाइट किया था। कांग्रेस पार्टी के मुताबिक, इसमें 26 दल के नेता शामिल हुए।

सत्ता या पीएम पद में हमारी दिलचस्पी नहीं: खरगे- बैठक की शुरुआत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हम जानते हैं कि राज्य स्तर पर हममें से कुछ लोगों के बीच मतभेद हैं। ये मतभेद वैचारिक नहीं हैं। ये मतभेद इतने बड़े नहीं हैं कि हम आम आदमी और मध्यम वर्ग, युवाओं, गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए इन्हें पीछे नहीं सकते, जिनके अधिकारों को पर्दे के पीछे चुपचाप कुचला जा रहा है।'

मोदी सरनेम केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 21 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि केस में राहुल गांधी की अर्जेंट हियरिंग की अपील मंजूर कर ली है। इस मामले में अदालत 21 जुलाई को सुनवाई करेगी। गुजरात हाईकोर्ट ने इस मामले में 7 जुलाई को फैसला सुनाया था और राहुल गांधी की 2 साल की सजा को बरकरार रखा था।

राहुल गांधी की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने अर्जेंट हियरिंग की अपील की थी। मानहानि केस में 23 मार्च 2023 को सूरत की सेशन कोर्ट ने राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद राहुल की सांसदी चली गई थी।

पीतांबरा पीठ पर पारंपरिक वेशभूषा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने की पूजा अर्चना

दतिया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह मंगलवार को दतिया पहुंचे। जहां उन्होंने पीतांबरा पीठ पहुंचकर मां बगुलामुखी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। इससे पहले पीठ पहुंचने पर दिग्विजय सिंह ने पीठ की परंपरा अनुसार पीले रंग की धोती पहनी और उसके बाद मां के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 20 मिनिट तक पूजा अर्चना की। पीठ पर स्थित अन्य मंदिरों पर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने माथा टेका और वनखंडेश्वर महादेव का जलाभिषेक भी किया। पीठ पर पूजा अर्चना के बाद दिग्विजय सिंह उनाव में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिलने रवाना हो गए।

बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची

विदिशा। विदिशा में ढाई साल की बच्ची बोरवेल में गिर गई। सूचना के बाद पहुंची प्रशासन की टीम जेसीबी की मदद से बच्ची को निकालने का प्रयास कर रही है। डॉक्टर की टीम बच्ची तक ऑक्सीजन पहुंचा रही है। बोरवेल घर के बाहर आंगन में ही है। इसकी गहराई 15 फीट से ज्यादा बताई जा रही है।

घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर सिरोंज-कुरवाई रोड पर ग्राम कजरी बरखेड़ा की है। इंदर सिंह की बेटी अस्मिता सुबह 10 बजे घर के आंगन में खेल रही थी, तभी बोरवेल में गिर गई। इंदर सिंह ने बताया कि बच्ची जिंदा है। उससे कुछ बोलो तो अंदर से जवाब भी दे रही है। एएसपी समीर यादव ने बताया कि पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की है। बच्ची को निकालने की कोशिश जारी है।

बारिश: जबलपुर में युवक बाइक समेत बहा, इंदौर में स्कूल बिल्डिंग गिरी

भोपाल। मध्यप्रदेश के बैतूल और बुरहानपुर के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। यहां अति भारी बारिश हो सकती है। 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। नर्मदापुरम, हरदा, खंडवा, खरगोन, गुना, श्योपुरकलां और सागर में भी अति भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार बारिश के 3 सिस्टम एक्टिव हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 28 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। प्रदेश में अब तक प्रदेश में 16 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन 18 जुलाई से बनेगा। इससे 20 से 26 जुलाई तक कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। जबलपुर में परियट नदी के पुल को पार करते समय युवक बाइक समेत बह गया। घटना मंगलवार सुबह पनागर इलाके के बघौड़ा गांव की है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मुकेश पटेल (35) की तलाश कर रही है। उधर, इंदौर के मल्हारगंज में सिंधी स्कूल की जर्जर इमारत गिर गई। सोमवार देर रात 12 बजे बारिश के बीच हुए हादसे में यहां सो रहा एक युवक मलबे के नीचे दब गया। मोहल्ले के युवाओं ने उसे बाहर निकाला। स्कूल लंबे समय से बंद था। सोमवार कोई भारी बारिश से शहर में जगह-जगह पानी भर गया।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के लिए तीन भारत गौरव पर्यटन ट्रेन मिलीं, रेलवे बोर्ड की मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए 2 अगस्त से 10 अक्टूबर के लिए रेलवे बोर्ड ने तीन भारत गौरव पर्यटन ट्रेन आईआरसीटीसी के जरिए मध्यप्रदेश के लिए चलाने की मंजूरी दी है। मध्यप्रदेश धर्मस्व विभाग ने रेलवे बोर्ड से ट्रेन चलाने का अनुरोध किया था। पहले श्रद्धालुओं को सामान्य ट्रेन से ले जाया जाता था। इनमें पैंट्री कार सर्विस नहीं होती है। भारत गौरव पर्यटन ट्रेन में यह सर्विस है। अब इन तीन भारत गौरव ट्रेन से प्रदेश के 18480 लोग तीर्थ यात्रा पर जा सकेंगे।

अतिरिक्त प्रमुख सचिव डा. राजेश राजौरा ने बताया कि यह मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक प्रमुख योजना है। इसके तहत अगले चरण में 2 अगस्त से 15 अक्टूबर के बीच हजारों बुजुर्गों को अलग-अलग स्थल की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। रामेश्वर के लिए पहली यात्रा के लिए आवेदन 27 जुलाई से 26 जुलाई तक आमंत्रित किए जाएंगे। आवेदन लेने की तारीख जिलों और यात्रा के अनुसार अलग-अलग होगी। अंतिम तीर्थ यात्रा 10 अक्टूबर को जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होगी। इसके लिए आवेदन 29 सितंबर से 3 अक्टूबर तक लिए जाएंगे।

पहली तीर्थ यात्रा टेन इंदौर, धार, शाजापुर और नर्मदापुरम के बुजुर्गों को लेकर 2 अगस्त को रामेश्वर के लिए रवाना होगी। इसमें 630 तीर्थ यात्री जाएंगे। यह ट्रेन 7 अगस्त को वापस लौटेगी। इसी दिन दूसरी ट्रेन सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल के यात्रियों को लेकर द्वारका के लिए रवाना होगी और 7 अगस्त को ही वापस लौटेगी। तीसरी ट्रेन मुरैना, ग्वालियर, दतिया के यात्रियों को लेकर कामाख्या के लिए 7 अगस्त को रवाना होगी और 12 अगस्त को लौटेगी। चौथी ट्रेन अनूपपुर, शहडोल, उमरिया के यात्रियों को लेकर 10 अगस्त को द्वारका के लिए रवाना होगी और 15 अगस्त को वापस लौटेगी। वहीं, पांचवी ट्रेन इसी दिन इंदौर-उज्जैन, विदिशा के यात्रियों को लेकर काशी (वाराणसी) के लिए रवाना होगी और 13 अगस्त को वापस लौटेगी।

6वीं ट्रेन मुरैना-ग्वालियर-निवाड़ी के तीर्थ यात्रियों को लेकर 16 अगस्त को काशी (वाराणसी) के लिए रवाना होगी और 19 अगस्त को लौटेगी। 7वीं ट्रेन झाबुआ-अलीराजपुर-उज्जैन-भोपाल के यात्रियों को लेकर जगन्नाथपुरी 16 अगस्त को रवाना होगी और 21 अगस्त को वापस लौटेगी। 8वीं ट्रेन बालाघाट, सिवनी, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर के तीर्थ यात्रियों को लेकर काशी (वाराणसी) 18 अगस्त को रवाना होगी और 21 अगस्त को लौटेगी। 9वीं ट्रेन छतरपुर, टीकमगढ़, विदिशा के तीर्थ यात्रियों को लेकर 18 अगस्त को द्वारका के लिए रवाना होगी।

10वीं ट्रेन छिंदवाड़ा, सिवनी, सीहोर और विदिशा के तीर्थ यात्रियों को लेकर 24 अगस्त को अयोध्या के लिए रवाना होगी।

11वीं, ट्रेन उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच के तीर्थ यात्रियों को लेकर 24 अगस्त को हरिद्वार रवाना होगी। 12वीं, ट्रेन उमरिया, कटनी, जबलपुर के तीर्थ यात्रियों को लेकर 31 अगस्त को शिर्डी लेकर रवाना होगी। 13वीं ट्रेन इंदौर, धार, उज्जैन, शिवपुरी के तीर्थ यात्रियों को लेकर अमृतसर के लिए रवाना होगी। 14वीं, ट्रेन भिंड, ग्वालियर, दतिया के तीर्थ यात्रियों को लेकर 1 सितंबर को दीक्षाभूमि नागपुर के लिए रवाना होगी। 15वीं, ट्रेन रतलाम, मंदसौर और नीमच के तीर्थ यात्रियों को लेकर 5 सितंबर को जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होगी।

16वीं, ट्रेन बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, नर्मदापुरम के यात्रियों को लेकर 6 सितंबर को कामाख्या के लिए रवाना होगी। 17वीं, ट्रेन रीवा, सीधी, सतना, पन्ना और जबलपुर के तीर्थ यात्रियों को लेकर 8 सितंबर को रामेश्वर के लिए रवाना होगी। 18वीं, ट्रेन शाजापुर, आगरमालवा, राजगढ़, गुना के यात्रियों को लेकर 13 सितंबर को काशी (वाराणसी) के लिए रवाना होगी। 19वीं, ट्रेन बैतूल, नर्मदापुरम, उज्जैन के तीर्थ यात्रियों को लेकर 14 सितंबर को द्वारका के लिए रवाना होगी। 20वीं, ट्रेन भोपाल, रायसेन, सीहोर और बैतूल के यात्रियों को लेकर 16 सितंबर को रामेश्वर के लिए रवाना होगी। 21वीं, ट्रेन गुना, अशोकनगर और दमोह के यात्रियों को लेकर 19 सितंबर को जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होगी। 22वीं ट्रेन छिंदवाड़ा, भोपाल, सीहोर के यात्रियों को लेकर द्वारका के लिए रवाना होगी। 23वीं, ट्रेन सिंगरौली, सीधी, कटनी, सतना के लिए यात्रियों को लेकर 24 सितंबर को रवाना होगी। 24वीं, ट्रेन रीवा, सतना, जबलपुर, डिंडोरी के यात्रियों को लेकर जगन्नाथपुरी के लिए 27 सितंबर को रवाना होगी। 25वीं ट्रेन छिंदवाड़ा, भोपाल, रायसेन, विदिशा के यात्रियों को लेकर 30 सितंबर को रवाना होगी।

26वीं ट्रेन शिवपुरी, श्योपुर, गुना, अशोकनगर के यात्रियों को लेकर 2 अक्टूबर को जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होगी। 27वीं ट्रेन दमोह, सागर, विदिशा के यात्रियों को लेकर 5 अक्टूबर को द्वारका के लिए रवाना होगी। 28वीं, ट्रेन खंडवा, खरगौन, हरदा, बैतूल के यात्रियों को लेकर 8 अक्टूबर को रामेश्वरम के लिए रवाना होगी। वहीं, 29वीं ट्रेन राजगढ़, शाजापुर, भोपाल के यात्रियों को लेकर 10 अक्टूबर को जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होगी और 15 अक्टूबर को वापस लौटेगी।

(यात्रा का नोटिफिकेशन पेज 6 पर)

मानसरोवर धाम में श्रावण महीने में उमड़ा रहाभक्तों का सैलाब

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को मानसरोवर धाम पर भक्तों का अपार समूह उमड़ा। भोपाल सीहोर हाईवे स्थित खजूरी सड़क पर मानसरोवर धाम क्षेत्र के लोगों की आस्था का नया केंद्र बन रहा है। 5 एकड़ में फैले मानसरोवर धाम की छटा लोगों को अभिभूत कर रही है। भगवान शंकर की 51 फीट की भव्य प्रतिमा साथ ही विशाल हजारी महादेव शिवलिंग स्थापित है। गुफा स्वरूप बनाए गए मंदिर में द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई है। इस वर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर महाशिवपुराण और महा विशेष के साथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मानसरोवर धाम निर्माण कराने वाले संजय कश्यप का कहना है कि शुरू से यह धाम लोगों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। सावन के महीने में अपार जनसमूह दर्शन करने आ रहा है। मंदिर के आसपास विकसित किया गया गार्डन और बाहरी प्रवेश द्वार पर नंदी की विशाल मूर्ति लोगों का मन मोह लेती है मंदिर के समीप पार्किंग की उपयुक्त व्यवस्था होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत नहीं होती है।

राज्यपाल ने कलेक्टर को किया सम्मानित

भोपाल। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक धनराशि संग्रहित करने के लिए भोपाल जिले के उत्कृष्ट योगदान हेतु कलेक्टर आशीष सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा भी उपस्थित थे। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रिटायर्ड सैनिकों और उनके परिवारो की मदद के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है। जिसमे आम जनता सहयोग करती है । इसके लिए भोपाल जिले ने लक्ष्य से अधिक सहयोग निधि एकत्रित कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

शिव महापुराण कथा का समापन

भोपाल। शिवि महापुरा कथा का समापन हो गया। इस अवसर पर समाजसेवी आकाश गौर, भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर, वार्ड 72 के पार्षद, जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, विधि प्रकोष्ठ मंडल संयोजक कौशलेश पाठक, वार्ड 73 के पालक बिंद्रपाल सिंह बाथम, मंडल उपाध्यक्ष नर्बदा सचान, मंडल मंत्री बीएस मरमट, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल कुचबंदिया, मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष अभय यादव, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला सह मीडिया प्रभारी शुभम कोरी, मंडल अध्यक्ष संदीप अहिरवार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल संयोजक नारायण चंदेल ने व्यास गादी का पूजन कर पंडित सिद्धांत महाराज का आशीर्वाद ग्रहण कर कथा का श्रवण किया ।

आरईएस विभाग की बैठक में सदस्यों ने किया हंगामा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिला पंचायत कार्यालय में सोमवार को आर ई एस विभाग की बैठक कार्यपालन यांत्रि राजेश श्रीवास्तव के ऑफिस में जिला पंचायत सभापति देव कुमार अनिल हाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 2 विभागों के अधिकारी उपस्थित थे बाकी विभागों के अधिकारी के नहीं आने के कारण सभापति देव कुवर अनिल हाड़ा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए राजेश श्रीवास्तव कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि जो भी अधिकारी उपस्थित नहीं हुए उनको नोटिस भेजो और अगली बैठक 26 जुलाई को जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित करो। सदस्यों ने चिल्ला चोट करते हुए उपयंत्री राजेश श्रीवास्तव को घेरते हुए मोर्चा खोल दिया, सदस्यों ने आरोप लगाया कि जिला पंचायत के 1 वर्ष के कार्यकाल के अंदर एक ही बैठक हुई है ग्रामीण क्षेत्रों में घटिया निर्माण कार्य हो रहा है जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त है इसका सबूत हम देते हैं, सदस्यों ने आरोप लगाया कि कार्य की पीएस में हो रहा है भारी भ्रष्टाचार अधिकारी ले रहे हैं मजे।

सदस्य विजया विनोद राजोरिया ने कहा कि 15 जून के बाद मिट्टी का कार्य नहीं होता है इसमें भी बहुत बड़ा खेल चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण में गहरे गहरे गड्ढे होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में चलना दूभर हो रहा है ग्रामीणों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है और अधिकारी एसी कमरे में बैठकर मस्त हैं। राजेश श्रीवास्तव कार्यपालन यंत्री ने सदस्यों को बहुत समझाने का प्रयास किया लेकिन सभापति के साथ सदस्य गण बैठक से उठकर चले गए। जाते जाते सभापति के साथ सदस्यों ने कहा कि अगली बैठक में सभी विभागों के अधिकारी पिछले पंचवर्षीय योजना के समय के कार्य और अभी जो चल रहे उन कारों की संपूर्ण जानकारी लेकर बैठक में आए। जिस विभाग के अधिकारी नहीं आएंगे उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष जिला पंचायत भोपाल। सभापति देव कुवर अनिल हाडा,सदस्य रश्मि अवनीश भार्गव, विजया विनोद राजोरिया, चंद्रेश सुरेश राजपूत, विक्रम बालेश्वर एवं विभाग प्रधानमंत्री सड़क योजना, पीआईयू, शिक्षा, डब्ल्यू आर डी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्राचीन झूलेलाल मंदिर में पूजा अर्चना के साथ उत्सव का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। संत नगर के बस स्टैंड स्थित प्राचीन झूलेलाल मंदिर में चालीहा उत्सव की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मंदिर में भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद बहिराणा साहिब की जोत जगाई गई व अखा डाला गया। इस अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। अंत में पल्लव में विश्व में सुख, शांति, अमन चेन की कामना की गई और चारों तरफ हरियाली व खुशहाली रहे भगवान से प्रार्थना की गई। अब मंदिर में 40 दिनों तक सुबह और शाम को आरती होगी और अखा डाला जाएगा। चालीहा का समापन 25 अगस्त को होगा। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव अशोक मोतियानी, वासुदेव मोतियानी, घनश्याम लालवानी, भारती चांदवानी, मोना मोतियानी, हीरो आडवाणी, परसराम थावानी, इंद्र जनियानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्वालु मौजूद थे।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर पुजारियों की बैठक सम्पन्न

संत हिरदाराम नगर। नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर संत हिरदाराम नगर ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सीएम द्वारा पुजारियों को प्रतिमाह राशि देने की घोषणा होने के बाद भी राशि नहीं मिलने पर विचार विमर्श किया गया। पंडित रवि पटेरिया ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा अक्षय तृतीया भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर घोषणा की थी मंदिर के पुजारियों को 5,000 प्रतिमाह राशि दी जाएगी लेकिन अभी तक उस घोषणा का अमल नहीं हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान से मांग की है कि शीघ्र से शीघ्र घोषणा पर अमल किया जाए।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में टेक्नोडक्स का ओपन कैम्पस ड्राइव आयोजित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा टेक्नोडक्स-द टेक्नोलॉजी लीडर कंपनी का ओपन कैंपस ड्राइव आयोजित किया गया। इस कैम्पस ड्राइव में नीतू हिंगोरानी, एच.आर., सौरभ जैन-क्यू.ए.लीड, एवं शिवांश पांडे-आउट सिस्टम्स टेक लीड, टेक्नोडक्स, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के समस्त सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सदैव ओपन कैम्पस ड्राइव आयोजित किये जाते हैं। छात्राएं आत्मविश्वास के साथ इन कैम्पस ड्राइव्स में सम्मिलित हो एवं उचित अवसरों का लाभ लें। इस चयन प्रक्रिया में दो तकनीकी सत्र सहित प्री-प्लेसमेंट टॉक एवं लिखित परीक्षा आयोजित की गई। आउट सिस्टम्स डेवेलपर पद के लिये प्रीति परियानी एवं तानिया विश्वकर्मा चयनित हुई। इन छात्राओं का कार्यक्षेत्र भोपाल रहेगा।

रेनू ने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय स्पर्धा में परचम लहराया

संत हिरदाराम नगर। 12 जुलाई से 16 जुलाई तक आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में राष्ट्रीय मास्टर्स पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें संतनगर के जितेंद्र आसनानी और रेनू आसनानी ने मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। इसमें जितेंद्र आसनानी ने 83 किलोग्राम भारवर्ग में कुल 507.5 किलो वजन उठाकर पांचवा स्थान प्राप्त किया वहीं रेनू आसानी ने 84 किलोग्राम भारवर्ग में 337.5 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। संतनगर के लिए यह गौरव की बात है कि रेनू आसनानी ने लगातार दूसरे वर्ष इस खेल में रजत पदक प्राप्त किया है जो कि संतनगर के लिए खेलो के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। ज्ञात हो कि रेनू लगातार दो वर्षो से मध्यप्रदेश पावरलिफ्टिंग टीम की सदस्य रही हैं।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर गुफा मंदिर पर लगी श्रद्वालुओं की भीड़

संत हिरदाराम नगर। श्रावण के दूसरे सोमवार को मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्वालुओं की भीड़ लगी रही। श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल में श्रावण मास के दूसरे सोमवार, हरियाली अमावस्या एवं कर्क संक्रांति पर्व पर भगवान भोलेनाथ का प्रात: पंचामृत आदी से स्नान कराकर अभिषेक किया गया। पंडित लेखराज शर्मा ने बताया की इसके उपरांत भगवान का हरित श्रृंगार हरी पत्ते, विल्वपत्र, दूर्वा, फूलों से शिव जी का भव्य श्रृंगार कर आरती की गई। इसके बाद भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खोले गए। सुबह से ही मंदिर पर श्रद्वालु की भीड़ देखने को मिली। इधर, संत हिरदाराम नगर के मंदिरों पर भी विशेष पूजा अर्चना की गई। श्रावण मास के पावन पर्व पर सैनिक कॉलोनी नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे और शाम 5 बजे भगवान शिव का रूद्र अभिषेक दूध, दही, शहद, वेद मंत्रों द्वारा किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्वालु पहुंचकर पूजा अर्चना कर रहे है।

सेवा सदन अस्पताल को स्व. अंकुर दासवानी के नेत्रों का दान

संत हिरदाराम नगर। पीपुल्स स्मार्ट सिटी माल, भोपाल निवासी 42 वर्षीय अंकुर दासवानी का देहावसान सोमवार को हो गया था। अंकुर के पिता नानकराम दासवानी ने अपने पुत्र की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। स्व. अंकुर दासवानी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2009 दृष्टिबाधित लोगों को नि:शुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है।

राधारमण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के परिसर में रोटरी क्लब के साथ विद्यार्थियों ने लगाए पौधे

भोपाल। राधारमण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के परिसर में ग्रुप के चेयरमैन, डायरेक्टर, मैनेजमेंट टीम और 100 स्टूडेंट्स की उपस्थिति में, रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के एक बहुत ही जोश भरे कार्यक्रम में डायरेक्टर यूथ सर्विसेस और इवेंट चेयरमैन रोटेरियन अनिल कुमार गुप्ता ने पर्यावरण, रोटरी और रोटरेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि और रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के वाइस गवर्नर PDG धीरन दत्ता ने रोटरेक्ट को नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर मिलने वाले सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और स्टूडेंट्स को मोटिवेट किया। इवेंट पार्टनर, ड्रीम भोपाल ग्रीन भोपाल के संस्थापक स्पर्श द्विवेदी ने जोशीले अंदाज में स्टूडेंट्स को मोटिवेट किया पर्यावरण से जुड़ने और भोपाल को बेहतर बनाने के लिए। राधारमण ग्रुप के चेयरमैन आर आर सक्सेना ने लोगों और संस्थाओं को साथ जोड़ कर काम करने के लिए क्लब की प्रशंसा की और स्टूडेंट्स को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी। अध्यक्ष रोटेरियन कुणाल सिंघल ने सेमिनार के अंत में सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण किया गया जिसने 125 मेडिसिनल प्लांट्स लगाने में क्लब मेंबर्स और स्टूडेंट्स ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

रीति-रिवाजों, परंपराओं और भारतीय ग्रामीण जीवन शैली से प्रभावित होकर बनाई गई है फिल्म पंचकृति-फाइव एलिमेंट्स

फिल्म पंचकृति - फाइव एलिमेंट्स का फिल्मांकन और उसकी कहानी कई मायनों में एक सिनेमाई क्रांति लाएगी । यह पांच अलग-अलग दिलचस्प और बेहतरीन कहानियों पर आधारित है, जो आपस में संबंधित है। इसे चंदेरी जैसे छोटे से शहर की पृष्ठभूमि में स्थापित किया गया है। यह फिल्म एक मिश्रित कहानियों को कहने का एक अनोखा और साहसिक मार्ग है। इस कथा का मूल बुन्देलखंड में चंदेरी नाम का एक छोटा सा शहर है, जो भारत के मध्य प्रदेश राज्य में फैला एक पहाड़ी इलाका है। बुन्देलखण्ड अपनी भौगोलिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए लोकप्रिय है। फिल्म की पांच कहानियां वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं। इस फिल्म की कहानी विचारोत्तेजक है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। सिनेमैटोग्राफी शानदार है आगामी फिल्म %पंचकृति - फाइव एलिमेंट्स% के प्रचार प्रसार करने का अनूठा तरीका देश भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। और सबसे विशेष बात यह है कि फिल्म देखने पर मालूम चलेगा कि इसमें दर्शकों के लिए एक सरप्राइज है। दर्शकों की भारी भीड़ के लिए आकर्षक पुरस्कार है जिसका फैसला लकी ड्रा से किया जाएगा। जो किसी भाग्यशाली दर्शक को प्राप्त होगा। दर्शक रचनात्मक और सुस्वादु सामग्री का आनंद प्राप्त कर सकेंगे, जो भारत की समृद्ध ग्रामीण सांस्कृतिक विरासत और गौरव का सच्चा प्रदर्शन करेगी। निस्संदेह, प्रत्येक स्क्रीनिंग में तीन लकी ड्रा और बम्पर पुरस्कार जीतने का अवसर दर्शकों को प्राप्त होगा जिससे दर्शक अवश्य रोमांचित होंगे। विजेता को ना केवल एक उपयोगी पुरस्कार प्राप्त होगा बल्कि कुछ पुरस्कार उनकी पहुंच और सोच से ज्यादा आकर्षक होंगे। निर्माताओं ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक नया कीर्तिमान बनाने के लिए वितरकों, थिएटर मालिकों, उत्पाद निर्माताओं और दर्शकों के साथ मिलकर नया काम किया है। निर्माताओं को आशा है कि इस प्रयास से पूरे विश्व के सिनेमाओं में नया बदलाव आएगा।इस फिल्म से पूरे परिवार के साथ मनोरंजन का आंनद और सिनेमा की जादुई दुनियां को देखने का बढ़ावा मिलेगा। छोटे बजट के असाधारण कंटेंट निर्माताओं और अद्भुत क्षेत्रीय प्रतिभाओं को एक नया और योग्य स्थान मिलेगा। यह अभियान उन वितरकों और स्क्रीन मालिकों के बीच विश्वास हासिल करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास करता है जो अच्छी फिल्मों का प्रदर्शन करने में स्वाभाविक रूप से झिझकते हैं । बृजेन्द्र काला फिल्म के मुख्य पात्रों में एक हैं। वह एक प्रशंसित अभिनेता हैं। काला कहते हैं कि %पंचकृति - फाइव एलिमेंट्स% में कई लोकप्रिय और बड़े कलाकार शामिल है। पांच अलग-अलग कहानियों को अनावश्यक तत्वों के बिना, रचनात्मक रूप से एक सकारात्मक पारिवारिक-मनोरंजन फिल्म में एक साथ पिरोया गया है ।यह फिल्म मानसून सीज़न में भारत भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माता, निर्देशक और प्रमोटर देशभर में व्यापक स्तर पर कार्य कर रहे हैं। इस अनूठी फिल्म का निर्देशन संजॉय भार्गव ने किया है। संजॉय कहते हैं कि हम फिल्म के माध्यम से अपनी भारतीय परंपरा और संस्कृति पर एक विशेष संदेश देना चाहते हैं जो सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन विरासत को प्रतिबिंबित करती है। फिल्म की सभी पांच कहानियां हमें सोचने पर विवश कर देगी कि हम अपने भारतीय पारंपरिक दैनिक जीवन में कहाँ और कैसे रहते हैं? और क्या करते हैं? यह मानवीय है और किसी भी अंधविश्वास पर आधारित नहीं है। फिल्म में अनुभवी कलाकारों को लिया गया है, कहानी का फिल्मांकन करते समय फिल्म को प्रभावी और सशक्त बनाने के लिए और अभिनय को वास्तविक रूप प्रदान करने के लिए बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पडा है। फिल्म की निर्माता हरिप्रिया भार्गव का कहना है कि उन्होंने हमारी समृद्ध विरासत, रीति-रिवाजों, परंपराओं और भारतीय ग्रामीण जीवन शैली से प्रभावित होकर यह कहानी बनाई है। वह आगे कहती हैं कि यह फिल्म भारत के दूर दराज क्षेत्रों में रहने वाले उभरते प्रतिभाशाली कलाकारों को काम करने का मौका और नई पहचान दिलाती है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी शामिल होती हैं जो दिल से इस कन्टेन्ट का समर्थन करती हैं। साथ ही फिल्म प्रचार की रणनीति थिएटर मालिक और वितरकों को भी मौका देती है। हरिप्रिया बेहद खुश हुई कि इस फिल्म की कुछ कहानी महिलाओं पर केंद्रित है। फिल्म %पंचकृति फाइव एलिमेंट्स% प्रेम से अभिभूत और हृदय को छू लेने वाले आध्यात्मिक गीतों का समावेश है। संगीत राजेश सोनी द्वारा रचित है।

विकास पर्व के रोड शो में मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ब्यावरा में विकास पर्व के कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान का रोड-शो में नगरवासियों ने पुष्प-वर्षा तथा फूल-माला पहना कर अभिनंदन किया। लगभग 4 किलोमीटर तक 2 घंटे से भी अधिक चले रोड-शो में जनता का उत्साह और जनसैलाब देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो प्रत्येक नगरवासी अपने प्रिय मुख्यमंत्री के रोड-शो में शामिल होने घर से निकल पड़ा हो। बच्चों, महिलाओं, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई अपने घर से बाहर निकल कर मुख्यमंत्री के स्वागत को आतुर दिखा।

मुख्यमंत्री चौहान ने भी नगरवासियों का अभिवादन किया। बहनें अपने लाड़ले भैया तथा बेटियाँ भी प्रिय मामा को अपने बीच पाकर प्रसन्न दिखी। रोड-शो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ कार्यक्रम स्थल तक पहुँचा। अनेक संस्थाओं, संघों, संगठनों द्वारा बनाए गए 50 से अधिक मंचों से नागरिकों ने मुख्यमंत्री चौहान का स्वागत किया। नागरिकों द्वारा छत और बालकनी से भी पुष्प-वर्षा की गई। रोड-शो में पूरे समय नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री चौहान पर पुष्प-वर्षा की जाती रही।

जनता से दूरी मुख्यमंत्री को रास नहीं आई: मुख्यमंत्री चौहान का हर व्यक्ति के साथ आत्मीय संबंध की बानगी रोड-शो में तब देखने मिली, जब वे कुछ कदम चलने के बाद ही रथ से उतरकर खुली कार में रोड-शो में शामिल हुए। चार किलोमीटर लम्बे रोड-शो के दौरान कई बार वे कार से उतर कर लोगों के बीच आए, उनसे हाथ मिलाया, माला पहनाई और भेंट किए गए पगड़ी, फल और स्मृति-चिन्ह आत्मीयता से स्वीकार किए। मुख्यमंत्री रास्ते में कई स्वागत मंचों पर भी लोगों से मिले। मुख्यमंत्री ने भी फूल माला पहनाकर लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर लोग भावुक और प्रसन्न नजर आए।

मुख्यमंत्री को किसान संघ ने हल भेंट किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान को रोड-शो के दौरान किसानों ने किसान का प्रतीक हल भेंट किया। कृषि की तरक्की और किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए आभार माना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों की उन्नति और तरक्की के लिए मैं दिन-रात काम करूँगा।

लाड़ली बहनों ने भेंट की राखी

स्व-सहायता समूह की दीदियों ने अपने प्रिय भैया श्री चौहान को स्वनिर्मित राखी भेंट की। दीदियों ने कहा कि राखी भेंट करते हुए ऐसे लगा जैसे रक्षाबंधन आज ही हो। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 1000 रूपए खाते में आने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान को हृदय से धन्यवाद दिया और कहा कि आप हमारे सगे भाई से कम नहीं हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान को अपने प्रिय भाँजे-भाँजियाँ दिखाई दें और वे उनसे न मिले, ऐसा हो ही नहीं सकता। रोड-शो में भी उन्होंने सीएम राइज स्कूल के भाँजे-भाँजियों को रथ से उतर आशीर्वाद दिया और साथ में फोटो खिंचवाई।

जनजातीय कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति

जनजातीय कलाकारों द्वारा रंग-बिरंगी वेशभूषा में पारंपरिक सामूहिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर रोड-शो को नया ही रंग दे दिया। यह समूह आकर्षण का केंद्र बना रहा। सभी कलाकार रोड-शो में बिना रुके पूरे उत्साह और उमंग से अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे। लोगों ने भी कलाकारों की करतल ध्वनि से हौसला अफजाई की। कलाकारों की करतल ध्वनि से हौसला अफजाई की।

सांसद कविता पाटीदार को पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने मध्य प्रदेश की राज्यसभा मेंबर सांसद कविता पाटीदार को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें पश्चिमी बंगाल के पंचायत चुनावों में महिलाओं पर हुए अत्याचार एवं व्यापक पैमाने पर हुई हिंसा की जांच के लिए पार्टी की महिला सांसदों की जांच समिति का सदस्य बनाया गया है। इस समिति की संयोजक सांसद सरोज पांडेय है। अन्य सदस्यों में सांसद रमा देवी, सांसद अपराजिता सारंगी और सांसद संध्या राय को शामिल किया गया है। यह समिति शीघ्र ही पश्चिमी बंगाल के हिंसा ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करेगी। विशेषकर हिंसा से प्रभावित महिलाओं से बातचीत करेगी। इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह समिति शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेंगी। बता दें कि मध्यप्रदेश में कविता पाटीदार को वैसे भी कई जिम्मेदारी दी गई है। उनके पास पार्टी की प्रदेश महामंत्री का प्रभार होने के साथ-साथ अन्य कई अहम जवाबदारी भी है।

20 लाख करोड़ के घोटालों पर कार्यवाही के डर से विपक्षी दल एक मंच पर: वीडी शर्मा

भोपाल। वैचारिक असमानता वाले, अलग-अलग ध्येय और अलग-अलग एजेंडा को लेकर राजनीति में आए विभिन्न राजनीतिक दल एक बार फिर गठबंधन का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर दल ऐसे हैं, जिन्होंने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस के विरोध के साथ की थी, लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता से भयभीत होकर ये कांग्रेस का ही हाथ थामने को तैयार हैं। ऐसे दल जो एक-दूसरे के विरोधी और प्रतिद्वंदी रहे हैं, आज गले मिल रहे हैं। इन परस्पर विरोधी दलों का यह गठबंधन पानी और तेल के मेल की तरह बेमेल साबित होगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही।

श्री शर्मा ने कहा कि गठजोड़ की कोशिश में लगे ये सभी दल भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। अगर इन सभी के घोटालों को जोड़ लिया जाए तो लगभग 20 लाख करोड़ के घोटाले इन दलों ने किए हैं। अकेली कांग्रेस पार्टी ने ही 20 लाख करोड़ से अधिक घोटाले किए हैं। 1.86 लाख करोड़ का कोयला घोटाला, 1.76 लाख करोड़ का टू जी घोटाला, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ घोटाला, 10 हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला और हेलीकॉप्टर से लेकर पनडुब्बी खरीदी तक में इन्होंने घोटाले किए हैं। राजद के नेताओं ने इतने घोटाले किए हैं कि अदालतें इन्हें सजा दे-देकर थक गई हैं। चारा घोटाला, पशुपालन घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला जैसे हजारों करोड़ रुपये के कई घोटाले इन्होंने किए हैं। डीएमके ने अवैध तरीके से 1.25 लाख करोड़ की संपत्ति एकत्र की है, तो टीएमसी पर 23 हजार करोड़ के घोटालों का आरोप है। इनमें रोजवैली घोटाला, शारदा घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, गो तस्करी घोटाला और कोयला तस्करी घोटाले जैसे कितने ही घोटाले शामिल हैं। एनसीपी पर करीब 70 हजार करोड़ के घोटाले के आरोप हैं। को ऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला, अवैध खनन घोटाले जैसे कई घोटाले इनमें शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के मनीष सिसौदिया समेत कई मंत्री और नेता कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार इन घोटालेबाजों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। ऐसे में तमाम विरोधों के बावजूद एकजुट हो रहे इन विपक्षी दलों का साझी चिंता यही है कि कानूनी एक्शन से किस तरह बचा जाए।

सुरखी के मुस्लिम सदस्यों सहित 200 कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

भाजपा में बिना भेदभाव मिलता है सबको मान सम्मान: गोविंद सिंह राजपूत

सागर। सोमवार को राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के कार्यालय में सुरखी के मुस्लिम समुदाय के लोगों सहित लगभग 200 कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सभी लोगों को भाजपा का गमछा पहनाकर स्वागत किया एवं मिठाई खिलाई। इस अवसर पर श्री राजपूत ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है क्योंकि इस पार्टी में बिना भेदभाव सब को मान सम्मान मिलता है यह विकास करने वाली पार्टी है जिसका संकल्प सबका साथ सबका विकास है अपनी जनकल्याणकारी रीती नीतियों के कारण भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन पाई है सभी के सहयोग से सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चारों ओर विकास कार्य हो रहे हैं और यह विकास यात्रा निरंतर चलती रहेगी हर व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभ पहुंचाना हमारा संकल्प है मैं और मेरा पूरा परिवार सुरखी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर हैं।

इस अवसर पर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अल्पसंख्यक मंडल के असलम ख़ान ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर हम सभी लोग मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के नेतृत्व में भाजपा में हुए हैं क्षेत्र में विकास कार्यों में हम और हमारे सभी साथी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के साथ कदम से कदम मिलाकर अपने क्षेत्र का विकास करने में सहयोग करेंगे। इस अवसर पर निजाम खान, जावेद खान, नासिर खान, अकरम खान, राजा खान, नन्हे खान, सोहिल खान, रहीम खान, सुलेमान खान, हजरत खान, साहिद खान, साहिर खान, इरफान खान, अनबर खान, दिलावर खान, इसराईल खान, शहीद खान, अंशार खान, हबीब खान, रोशन खान, साकिर खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परीक्षा उत्तीर्ण एएनएम एलएचव्ही को रिक्त पदों पर नियुक्त करने की मांग

भोपाल। प्रगतिशील संयुक्त कर्मचारी कल्याण संघ ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर बताया कि विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण एएनएम एलएचव्ही को स्टाफ नर्स से रिक्त पद पर पदस्थ जल्द से जल्द किया जाए कई बार पत्र लिखने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यह जानकारी प्रांत अध्यक्ष सुरेश गगनमवार ने मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि कई बार आदेश होने के बावजूद भी अधिकारी अपनी मोहर नहीं लगा पा रहे हैं अगर शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो संपूर्ण मध्यप्रदेश के कर्मचारी मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी ज्ञापन देने पहुंचे विनदेश चौधरी, चंद्रकांत चौधरी, पार्वती माझी बंदना कुलश्रेष्ठ सुरेश गगमवार आदि संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे उन्होंने बताया कि अगर सरकार यह निर्णय लेती है तो सरकार के ऊपर अतिरिक्त कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और काम में सुधार आएगा क्योंकि अनुभवी नर्स काम कर पाएगी

हिंदी विश्वविद्यालय के नियत वेतनमान कर्मचारियों का नहीं हुआ वेतन भुगतान

भोपाल। हिंदी विश्वविद्यालय के समस्त अतिथि शिक्षक अतिथि शिक्षकों एवं नियत वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों का वेतन जुलाई माह की 17 तारीख नहीं हुआ है बल्कि विश्व विद्यालय में नियमित कर्मचारियों का वेतन माह की 1 तारीख को ही निकल गया है अल्प वेतन में काम करने वाले अतिथि शिक्षक और नियत वेतनमान का वेतन फरमाए ऐसे ही विलंब होता है स्वास्थ्य कर्मचारियों ने प्रबंधन से बार-बार आग्रह किया है जबकि शासन के आदेश महीने की प्रथम तिथि को भुगतान करने के हैं कर्मचारियों ने बताया वह अपनी बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे

शिव मंदिर इतवारा में भोलेनाथ का किया आकर्षक श्रृंगार

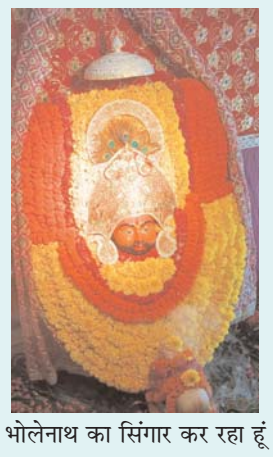

भोपाल। शिव मंदिर इतवारा में भोले के अद्भुत सिंगार का नजारा प्रति सोमवार देखने को मिलता है यहां भक्तों के दर्शन के लिए तांगा सा लगा रहता है सिंगार करने वाले मुरारी अग्रवाल ने बताया कि इस सोमवार हमने खाटू श्याम जी की प्रतिमा फूलों से बनाई है और इसी प्रकार हर सोमवार यहां पर भोलेनाथ की प्रतिमा बदल बदल के बनाई जाती है जिसको देखने के लिए दूर-दूर से भक्त गण आते हैं और बाबा भोले से आशीर्वाद लेते हैं मुरारी अग्रवाल ने बताया कि मैं पिछले 25 वर्षों से इसी प्रकार भोलेनाथ का सिंगार कर रहा हूं और सिंगार करने में 8 घंटे लगते हैं

राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की बैठक हुई

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की 103वीं संचालक-मण्डल की बैठक हुई। बैठक में वर्ष 2023-24 के अनुमानित बजट प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया तथा निगम द्वारा संचालित योजनाओं की योजनावार लक्ष्य एवं उपलब्धि पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं निगम के प्रबंध संचालक द्वारा निगम के 9 कर्मचारियों के वारिसों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रमाण-पत्र दिये गये। निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, उपाध्यक्ष श्री रमेश प्रसाद खटीक, प्रमुख सचिव आदिम जाति विभाग श्री संजीव सिंह एवं निगम की प्रबंध संचालक सुश्री सोनिया मीना उपस्थित रही।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टा संस्थान में यूपीएससी में चयनित गुंजिता अग्रवाल का स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आई ई एच ई भोपाल में संचालक डॉ प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वाधान में सुश्री गुंजिता अग्रवाल (यूपीएससी 2022,एआरआई रैंक -26) का सम्मान समारोह आयोजित किया गया7 कार्यक्रम में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने यूपीएससी परीक्षा में अविश्वसनीय प्रदर्शन के लिए सुश्री गुंजिता का स्वागत किया एवं शुभकामनाएं दीं। एचओडी कॉमर्स डॉ. एस.एस. विजयवर्गीय ने भी सुश्री गुंजिता को बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट सेल की समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा ने सुश्री गुंजिता को यूपीएससी परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई दी। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंघई एवं डॉ सभाकांत द्विवेदी ने भी सुश्री गुंजिता को बधाई दी। निदेशक ने सुश्री गुंजिता को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए पौधा, श्रीफल और मेडल देकर सम्मानित किया। डॉ.अजय के मिश्रा और डॉ. प्रीति मिश्रा ने उन्हें एक विशेष स्मारिका भी भेंट की। सुश्री गुंजिता ने आईईएचई के सभी छात्रों के साथ अपनी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और समर्पण की यात्रा साझा की, जो यूपीएससी परीक्षाओं को पास करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए एक अमूल्य प्रेरक होगी । उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताया कि कैसे एनएसएस उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ बन गया। उन्होंने बताया कि व्यक्तित्व विकास किसी के जीवन में कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने साझा किया कि कैसे संस्थान और संकाय ने वास्तव में उन पर निवेश किया। कॉलेज के सभी छोटे-छोटे प्रसंगों ने उन्हें पूरी यात्रा के दौरान प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने, समर्पित होने और प्रक्रिया पर भरोसा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन कॉमर्स सोसायटी की उपाध्यक्ष सुश्री काजोल समतानी ने किया।

आयुष राज्य मंत्री ने बच्चों से किया संवाद, कहा-शिक्षक बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर जिम्मेदार नागरिक बनने में करें मदद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रामकिशोर %नानो% कावरे ने शिक्षकों से अपील की है कि वे शालाओं में बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करें। राज्य मंत्री श्री कावरे ने आज बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम टेकाड़ी में स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत बच्चों से संवाद किया। प्रदेश भर में 17 से 19 जुलाई तक स्कूल चलें हम अभियान के कार्यक्रम हो रहे हैं।

आयुष मंत्री कावरे ने बच्चों से संवाद के दौरान कहा कि छात्रों को शाला में पढ़ाई के साथ अपना सामान्य ज्ञान भी बढ़ाना चाहिये। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई के दौरान लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ने की समझाइश दी। राज्य मंत्री ने कहा कि छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीणों को संयुक्त रूप से शिक्षा परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने पालकों से भी आग्रह किया कि वे ऐसा प्रयास करें, जिससे गाँव में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य मंत्री श्री कावरे ने टेकाड़ी हाई स्कूल में कक्षा-10 में 88 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र योगेश देशमुख और करण शिव को सम्मानित भी किया। राज्य मंत्री ने ग्राम धनसुआ और नवेगाँव के स्कूलों में भी बच्चों से संवाद किया।

एमबीबीएस के अंग्रेजी किताबों के लिप्यंतरण के लिये किया जायेगा सॉफ्टवेयर का उपयोग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ठ 'मंदार' में एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की पुस्तकों के लिप्यंतरण कार्य की समीक्षा की। बैठक में कार्य प्रकिया की जानकारी देते हुए बताया गया कि ट्रांसलिट्रेशन के कार्य को गति प्रदान करने के लिये एआई की भी सहायता ली जायेगी। सॉफ्टवेयर से पाठ्यक्रम के तकनीकी शब्दों को चिंहित कर उनका शब्दकोष तैयार किया जायेगा। सॉफ्टवेयर के लिये ऑपरेटरों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। इस पर मंत्री सारंग ने सॉफ्टवेयर से तैयार किये गये शब्दकोष का सत्यापन करने के निर्देश दिये, जिससे गलती की संभावना न रहे। उन्होंने ट्रासलिट्रेशन, सत्यापन, प्रूफ रीडिंग सहित सभी प्रक्रिया टाइमलाइन तैयार कर 15 सितंबर तक पूरी करने के भी निर्देश दिये। मंत्री सारंग ने प्रक्रिया को सरल रखने के लिए निर्देशित किया। इससे किसी भी प्रकार की असमंजस की स्थिति न बनें। मंत्री सारंग ने हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ठ मंदार की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमने शून्य से शुरूआत की। पूरे देश में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई की सराहना की जा रही है। यह पूरी टीम के अथक परिश्रम का ही परिणाम है। इस दौरान मंत्री सारंग ने चिकित्सा पाठ्यक्रम के ट्रांसलिट्रेशन में जुटे शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के चिकित्सा शिक्षकों एवं समन्वयकों के साथ वर्चुअल संवाद के लिये निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि यह पहली बार है जब सॉफ्टवेयर की सहायता से ट्रांसलिट्रेशन एवं कार्य की प्रगति का डेशबोर्ड भी बनाया जायेगा। इस पर मंत्री सारंग ने हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ट मंदार के लिये आईटी सेल की स्थापना के निर्देश दिये, जिससे पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने संपूर्ण प्रक्रिया को जटिल न करते हुए सरल बनाने के भी निर्देश दिये। मंत्री सारंग ने तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने के लिये टीम का विस्तार करने के साथ ही प्राइवेट चिकित्सा महाविद्यालयों की सहायता लेने का सुझाव दिया। बैठक में संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरूण कुमार वास्तव, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अरविंद राय, हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आशीष गोहिया एवं हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ठ के सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

शहरों में बाढ़

मुम्बई में हाईटाइड और चेन्नई में पानी भरने की घटनाएं तो जैसे आम होती जा रही हैं, अब देश की राजधानी दिल्ली भी सुरक्षित नहीं है। एक सप्ताह हो गया, तमाम इलाके अभी भी जलमग्न हैं। स्वाभाविक तौर पर पूरे देश में चर्चा है कि अगर राष्ट्रीय राजधानी का हाल ऐसा है तो बाकी शहरों का क्या होगा? शहरों में बाढ़ क्यों आ रही है और इसके मुख्य कारण क्या हैं? ये केवल इस बारिश के मौसम के सवाल नहीं हैं, अपितु हर बार उठते रहेंगे और हमें इनका हल भी खोजना ही होगा। नहीं तो ये हालात हमारी कमर तोड़कर रख देंगे।

दिल्ली की बाढ़ को लेकर विशेषज्ञ बाढ़ आने के चार मुख्य कारण बता रहे हैं। पहला, तेजी से बारिश का आना। दूसरा, नदियों का शोषण। तीसरा कारण है गलत तरीके से शहरीकरण और चौथी वजह है स्टॉर्मवॉटर सिस्टम यानि वर्षा जल निकासी का कुप्रबंधन अर्थात मिस मैनेजमेंट। और कहते हैं कि इन्हीं प्रमुख कारणों के चलते दिल्ली हो या मुंबई, हैदराबाद हो या बेंगलुरु और चेन्नै- सब जगह बाढ़ आ रही है।

तेज बारिश पर बात करते हैं, तो पिछले तीस साल के आंकड़े देखने पर पता चलता है कि पूरे देश में भारी बारिश (24 घंटे में 2.5-4.5 इंच बारिश) और बहुत भारी बारिश (24 घंटे में 4.5-8.0 इंच बारिश) में वृद्धि हुई है। दिल्ली में ही दस साल पहले एक-दो दिन भारी बारिश होती थी, अब तीन-चार दिन भारी बारिश होने लगी है।। 2021 में सात दिन भारी बारिश हुई थी। पिछले शनिवार और रविवार को भी भारी बारिश हुई थी।

भारी बारिश के कारण पानी बहुत तेजी से आता है। हमारे स्टॉर्मवॉटर नेटवर्क, जिनका काम बारिश के पानी को बाहर निकालना होता है, उनकी उतनी क्षमता नहीं होती। इसलिए बाढ़ की स्थिति बन जाती है। समस्या यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारी बारिश वाले दिन और तीव्रता में भविष्य में और अधिक वृद्धि होने की पूरी संभावना है। यह एक वैश्विक समस्या है। सच यह है कि ग्लोबल वॉर्मिंग को नियंत्रित करने के लिए सभी देशों को कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के लिए मिलकर काम करना होगा। तभी भारी बारिश के दिन सामान्य हो पाएंगे।

दूसरा कारण नदियों का अनियंत्रित दोहन। दिल्ली में यमुना 21 किलोमीटर में है। यहां यमुना का जो फ्लड प्लेन है, जो पानी को फैलने की जगह देता था, आज उस फ्लड प्लेन में अक्षरधाम मंदिर है, मिलेनियम पार्क बस डिपो है, वेस्ट डिस्पोजल साइट है, कॉमनवेल्थ विलेज है। उसी फ्लड प्लेन में हमने ढेरों फ्लाईओवर बना दिए हैं। यमुना के फ्लड प्लेन में हमने अतिक्रमण कर रखा है। ऊपर से यमुना के चैनल में मोटी सिल्ट जमा हो रखी है क्योंकि उसमें सारा कचरा जाता है। इससे यमुना का तल ऊंचा होता है और फिर पानी भी उसी ऊंचाई पर आता है। बाढ़ इसी वजह से बढ़ रही है। वैसे, दिल्ली में कहा जा रहा है कि हथिनीकुंड बैराज से बहुत ज्यादा पानी रिलीज किया गया है, उसके कारण बाढ़ आई है। आंकड़े देखें तो यह बात सही नहीं है। इससे पहले कई बार हथिनीकुंड से अभी से अधिक पानी रिलीज किया गया, तब तो दिल्ली में बाढ़ नहीं आई। इस बार उन्होंने पहले से कम पानी छोड़ा, फिर भी बाढ़ आ गई। इसका कारण यही है कि हम नदी में अतिक्रमण कर रहे हैं, सिल्ट बढ़ा रहे हैं।

यही चीज आप मुंबई में देखेंगे। मुंबई की जो मीठी नदी है, उसे हमने यमुना की तरह नाला बना रखा है। उसमें भी खूब सिल्टेशन है। और भी शहरों में ऐसा ही हो रहा है। भोपाल में आधा दर्जन तालाब तो हम लील ही चुके हैं। हमने बड़े तालाब के कैचमेंट क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। निकासी के साधन उतने हैं नहीं हैं और जो हैं, उनकी क्षमता कम है। भारी बारिश के हिसाब से तो कम से कम नहीं है। यहां पहाड़ी और घाटियां हैं, जिसके कारण कई स्थान बच जाते हैं, लेकिन हम उन्हें भी बर्बाद करने पर तुले हुए हैं।

तीसरा कारण है गलत शहरीकरण। आज के दिन में हमारे शहरों में बारिश के पानी को सोखने की क्षमता ही नहीं बची है, क्योंकि हमने हरेक जगह कांक्रीट बिछा रखी है। ऐसे में बारिश का पानी जमीन के अंदर जाता ही नहीं। हमारी जो वॉटरबॉडीज थीं, तालाब, बावड़ी, कुंड या कुएं थे, उन्हें भरते हुए हमने शहर का हिस्सा बना दिया। बेंगलुरु में यही किया और दिल्ली में भी। ये वॉटरबॉडीज बारिश के पानी को रोकती थीं, जिसके कारण बाढ़ की नौबत कम आती थी।

चौथा कारण है स्टॉर्मवॉटर ड्रेन का मिस मैनेजमेंट। अधिकांश शहरों में उचित वर्षा जल नालियां नहीं हैं। जिन नालियों से हम गंदा पानी निकालते हैं, उन्हीं से बारिश का पानी निकालने की कोशिश करते हैं। जहां हमने नाले बनाए भी हैं, वहां उन्हें बहुत गंदी तरह से मैनेज करते हैं। दिल्ली में स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के ऊपर अतिक्रमण है, उसमें कचरा डाला जाता है, उसकी निर्माण गुणवत्ता बहुत खराब है। हरेक साल दिल्ली में स्टॉर्मवॉटर ड्रेन को साफ करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन उसका कोई सर्टिफिकेशन सिस्टम नहीं है। यह हाल भोपाल सहित लगभग सारे शहरों का है। इसे भ्रष्टाचार की देन भी कह सकते हैं।

इन चारों कारणों को अगर हम देखें, तो यह बात एकदम साफ हो जाएगी कि हरेक शहर में बाढ़ क्यों आती है। सोचने वाली बात यह है कि इन चार कारणों में केवल बारिश या भारी हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन बाकी तीन तो हमारे हाथ में हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का दावा है कि जितनी तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, भारी वर्षा के दिन और बढ़ेंगे। यानि शहरों में बाढ़ का खतरा और बढ़ना तय है। ग्लोबल टेंपरेचर को कम करने की जरूरत है, तभी हम कुछ सुधार कर पाएंगे। हां, नदियों का शोषण ना करना, तालाबों को नष्ट न करना, शहरीकरण को ठीक करने और नालियों को साफ रखने जैसी तीन चीजें तो हमारे हाथ में हैं। उनकी क्षमता बढ़ाना भी हमारे हाथ में है। कुछ लोग भ्रष्टाचार करते हैं, अनियमितता करते हैं, लेकिन भुगतना तो सभी को पड़ता है। इसलिए सबको जागना होगा और इन कारणों को दूर करने के लिए मिलकर मिशन के रूप में काम करना होगा।

देश में दागी विधायकों पर लक्ष्मी का आशीर्वाद

-अरुण पटेल

पिछले कुछ वर्षों से देश के राजनीतिक पटल पर इस बात की चिन्ता होती रही है कि राजनीति में अपराधी तत्वों का घालमेल तेजी से हो रहा है, मनी और मशल पावर चुनाव में जीत का एक शार्टकट भी माना जाने लगा है, इसलिए आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति भी धड़ल्ले से जनप्रतिनिधि बन जाते हैं। ऐसे लोगों का फौरी उद्देश्य अपनी स्वार्थसिद्धि होता है। ऐसी स्थिति में राजनेताओं से नैतिकता की उम्मीद करना मृगतृष्णा से अधिक कुछ नहीं है।

देश भर में 4033 विधायकों में से 4001 के हलफनामों का विश्लेषण करने के बाद एडीआर यानी एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म की जो ताजा रिपोर्ट बीते सप्ताह सामने आई है उसमें यह तथ्य सामने आया है कि देश भर में 1777 विधायक दागी हैं और इनमें निर्दलियों से लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। 44 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 28 प्रतिशत पर गंभीर प्रकृति के आपराधिक मामले दर्ज हैं। देश में 88 अरबपति विधायक हैं जिनमें 34 कांग्रेस के और 24 भारतीय जनता पार्टी के हैं।

देश के सबसे अमीर तीन विधायकों में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार का नाम आता है जिनकी संपत्ति 1413.80 करोड़ है। दूसरे नम्बर पर कर्नाटक के ही के.एच. पुट्टास्वामी गौड़ा निर्दलीय विधायक हैं जिनकी सम्पत्ति 1267.03 करोड़ है। तीसरे पायदान पर कर्नाटक के ही कांग्रेस विधायक प्रियकृष्णा हैं जिनकी संपत्ति 1156.83 करोड़ है। टॉप टेन की सूची में जो 10 विधायक हैं उनमें तेलगूदेशम के अध्यक्ष और अविभाजित आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे चन्द्रबाबू नायडू जिनकी संपत्ति 668 करोड़ रुपये है और वे चौथे पायदान

पर हैं। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी 510 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पांचवें नम्बर पर हैं। इस विश्लेषण में 28 राज्यों और 2 केंद्र शासित राज्यों के जनप्रतिनिधियों के हलफनामा दी गई जानकारी के अध्ययन से उक्त आंकड़े सामने आए हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 1777 विधायकों के खिलाफ जो आपराधिक मामले दर्ज हैं उनमें से 1136 के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। देश के सबसे अमीर विधायकों में 64.39 करोड़ कर्नाटक, 28.24 करोड़ आंध्रप्रदेश और 23.51 करोड़ महाराष्ट्र के विधायकों की औसत संपत्ति है। मध्यप्रदेश में विधायकों की औसत संपत्ति 10.74 करोड़, छत्तीसगढ़ में 10.34 करोड़ और राजस्थान में 7.49 करोड़ है। सबसे गरीब विधायकों में त्रिपुरा की 1.54 करोड़, पश्चिम बंगाल की 2.80 करोड़, केरल में 3.15 करोड़ औसत संपत्ति है। सबसे कम संपत्ति वाले गरीब विधायकों में पहले पायदान पर पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायक निर्मल कुमार हैं जिनकी संपत्ति मात्र 1700 रुपये है। ओडीसा के निर्दलीय विधायक मकरंद मुदली की संपत्ति 15000 रुपये है तीसरे पायदान पर पंजाब के आम आदमी पार्टी के विधायक नरेंद्र पाल सिंह हैं जिनकी संपत्ति 18370 रुपये है। जहां तक संपत्ति का सवाल है देश में प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़ रुपये है। इसमें खास बात यह है कि दागी विधायकों की औसत संपत्ति 16.36 करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं दूसरी ओर कम आपराधिक मामले वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपये है। इन विधायकों में से 88 विधायक यानी 2 प्रतिशत अरबपति हैं।

जहां तक शैक्षणिक योग्यता का सवाल है 6 विधायक अशिक्षित हैं, 49 शिक्षित हैं जबकि 53 विधायक पांचवीं पास हैं। आठवी पास विधायकों की संख्या 163 है जबकि दसवीं पास विधायकों की संख्या 433 और बारहवीं पास विधायकों की संख्या 660 है। स्नातक 991 विधायक हैं। स्नातक प्रोफेशनल्स की संख्या 640 और स्नातकोत्तर विधायक 804 हैं। जबकि 123 डॉक्टर और 78 डिप्लोमाधारक हैं। एक विधायक के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। कुल मिलाकर यदि देखा जाए तो अशिक्षित विधायकों की संख्या 6 और स्नातक विधायकों की संख्या 991 है। चुने हुए जनप्रतिनिधियों के यह आंकड़े जहां यह तो बताते हैं कि आपराधिक मामलों में कितने जनप्रतिनिधि लिप्त हैं लेकिन इन मामलों में देखने वाली बात यह भी होगी कि इनमें से कितने मामले जन-आंदोलनों के कारण व अपने दायित्वों के निर्वहन में कानून हाथ में लेने के हैं। कुल मिलाकर चिन्ता का विषय यह है कि क्या गंभीर प्रकृति के आपराधिक मामले जिन जनप्रतिनिधियों पर चल रहे हैं उनसे क्या यह अपेक्षा की जा सकती है कि वे स्वयं के कल्याण की जगह जन-कल्याण को प्राथमिकता देंगे।

सफल जीवन के लिये जोश भी चाहिए और होश भी

ललित गर्ग ?

सफल लोगों को गौर से देखें तो पाएंगे कि वे देर तक किसी बात पर अटकते नहीं। क्या मिला, क्या नहीं- हमेशा इसकी शिकायत नहीं करते, संतुलित एवं समतामय बनकर सीखते रहते हैं। अपने लक्ष्य को नहीं भूलते। दूसरों की सुनते हैं, पर उनके डर को खुद पर हावी नहीं करते। अच्छी बात यह है कि हम मनुष्यों में ही यह क्षमता है कि हम अपनी कमियों को देख सकते हैं। उन्हें सुधार सकते हैं। इसलिए अर्श से फर्श पर गिरने के बाद भी फिर से संभल जाते हैं। इसलिये सफल जीवन के लिये समता, संतुलन एवं सहिष्णुता का अभ्यास जरूरी है। इनके बिना किसी का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता। जीवन की रक्षा के लिए भी इनकी जरूरी है। जीव-विज्ञान बायोलोजी के अनुसार जीव-जंतुओं की वे ही प्रजातियाँ अपना अस्तित्व सुरक्षित रख सकती हैं जिनमें हर परिस्थिति और चुनौती को झेलने की क्षमता एवं समता होती है। 'सरलाईवल ऑफ दि फिटेस्ट' डार्विन के इस सिद्धांत का भी यही तात्पर्य है। चिंतक खलील जिब्रान का कहना है, 'हम जब प्रकृति की शीतल छांव में बैठकर हरियाली और शांति को महसूस करें, तब अपने दिल को चुपके से कहने दें-प्रभु विवेक में बसते हैं। और जब बारिश और तूफान हमें हिला रहे हों तो कहें-प्रभु, जोश में बढ़ते हैं। आप भी विवेक के साथ आराम करिए और जुनून के साथ आगे बढ़ते रहिए।' हर व्यक्ति को अपने जीवन में कठिनाइयों और समस्याओं का सामना करना होता है। यह एक सार्वभौम नियम है। इसमें किसी का अपवाद नहीं है।

समय और परिस्थिति के अनुसार समस्याओं का रूपांतरण होता रहता है, पर जिंदगी के साथ उनका अटल संबंध है। वे पहले भी थी, आज भी हैं और आगे भी रहेंगी। जो सहिष्णुता का कवच धारण कर लेते हैं उनके लिए समस्याएँ भी समाधान बन जाती हैं, जो प्रगति के बाधक तत्त्व हैं, वे भी साधक और सहयोगी बन जाते हैं। जो सुविधाएँ सहज रूप से सुलभ हैं उनका उपयोग करने में कठिनाई नहीं हैं। पर उन्हें दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए। जिनकी मनोवृत्ति सुविधावादी हो जाती है उनके लिए छोटी-सी प्रतिकूलता को सहना कठिन हो जाता है। कहते हैं कि आपका काम, रबड़ की गेंद है, जिस पर जितना जोर देते हैं, वह उतना ऊंचा उठता है। पर आपका परिवार, दोस्त, सेहत और व्यवसाय कांच की गेंदें हैं, जो हाथ से छूटती हैं तो टूट ही जाती हैं। इसलिए जब सफलता करीब आ रही हो तो पूरी मेहनत से जुटे रहें, संतुलित रहे। बड़ाई मिले या बुराई, उसे सिर चढ़ाने के बजाय समतामय, सहिष्णु, शांत और शालीन बनें। सफलता दिमाग पर हावी न हो और हार दिल पर।

आज दरकते रिश्तों के जीवन में हर रिश्ते को संवेदना से जीने की जरूरत है, इसके लिये जरूरी है प्रेम एवं विश्वास। प्यार एवं विश्वास दिलों को जोड़ता है। इससे कड़वे जख्म भर जाते हैं। प्यार की ठंडक से भीतर का उबाल शांत होता है। हम दूसरों को माफ करना सीखते हैं। इनकी छत्रछाया में हम समूह और समुदाय में रहकर शांतिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। लेखिका रोंडा बायन कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके हर चीज, हर व्यक्ति से प्यार करें। ध्यान केवल प्यार पर रखें। पाएंगे कि जो प्यार आप दे रहे हैं, वह कई गुणा बढ़कर आप तक लौट रहा है। हम समाज में एक साथ तभी रह पाते हैं जब वास्तविक प्रेम एवं संवेदना को जीने का अभ्यास करते हैं। उसका अभ्यास सूत्र है-साथ-साथ रहो, तुम भी रहो और मैं भी रहूं। या 'तुम' या 'मैं' यह बिखराव एवं विघटन का विकल्प है। 'हम दोनों साथ नहीं रह सकते' यह नफरत एवं द्वेष का प्रयोग है। विरोध में सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। जो व्यक्ति दूसरे के साथ सामंजस्य स्थापित करना नहीं जानता, वह परिवार एवं समाज में रह कर शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी सकता।

दूसरों के साथ हमारे रिश्ते में सबसे बड़ा रोड़ा है अहंकार। यह बड़ी चतुराई से अपनी जगह बनाता है। अहंकारी अपने फायदे के लिए ही दूसरों के पीछे भागता है। बड़ों से संबंध जोड़ता है और छोटों एवं कमजोर की अनदेखी कर देता है। प्रेम हंसाता है तो अहंकार चोट पहुंचाता रहता है। अहंकार गले लगाकर भी दूसरे को छोटा ही बनाए रखता है। यह केवल दूसरों से पाने की चाह रखता है। जब हम अपने हिस्से में से दूसरों को भी देना सीख जाते हैं और अपनी खुशियां दूसरों के साथ बांटना सीख जाते हैं तो जीवन एक प्रेरणा बन जाता है। पारिवारिक एवं सामाजिक शांति एवं सौहार्द के लिए सहिष्णुता के साथ विनय और वात्सल्य भी आवश्यक है। आज का पढ़ा लिखा आदमी विनम्रता को गुलामी समझता है। उसका यह चिंतन अहंकार को बढ़ा रहा है। विनय भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व रहा है। जिस परिवार एवं समाज में विनय की परंपरा नहीं होती, उसमें शांतिपूर्ण जीवन नहीं हो सकता। एक विनय करे और दूसरा वात्सल्य न दे तो विनय भी रूठ जाता है। वात्सल्य मिलता रहे और विनय बढ़ता रहे तो पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में शांति का संचार बना रहता है। सामंजस्य, समझौता, व्यवस्था, सहिष्णुता, विनय और वात्सल्य इन्हें जीवन में उतारें तभी पारिवारिक एवं सामाजिक शांति बनी रहेगी।

जब तक आप दिमाग से संचालित होते हैं, आपको सच्चा प्रेम नहीं हो सकता। प्रेम का एहसास हो सकता है, लेकिन वह सच्चा प्रेम नहीं होता। मसलन- हममें से ज्यादातर लोगों ने अपने जीवन में महसूस किया होगा कि उन्हें प्यार हो गया है। लेकिन वास्तव में एक-दो लोग ही होते हैं, जो सचमुच प्यार में होते हैं। ज्यादातर लोगों में कुछ समय बाद ही प्यार का एहसास समाप्त हो जाता है। जरूरी है हम पहले अपनी मदद करना सीखें तभी दूसरों की मदद कर पाएंगे। खुद को थामे रखे बिना दूसरों को पकड़ने की कोशिश निराशा ही देती है। यहां तक कि आप अपने लोगों पर ही बोझ बन जाते हैं। इसलिए दूसरों को बदलने से पहले हम खुद को भी बदलना सीख लें। हमारे दुश्मन दूसरे कम होते हैं, हम खुद ज्यादा होते हैं। और लेखिका आयरीन बटर कहती हैं, 'दुश्मन वो है, जिसके बारे में हमें पता नहीं।'

जीवन में ऊँचाई और गहराई का समन्वय आवश्यक है। हर व्यक्ति के मन में ऊँचाई पर पहुँचने का आकर्षण है, पर गहराई के बिना ऊँचाई भी वरदान नहीं होकर अभिशाप सिद्ध होती है। भारत की जीवनशैली में जो परिपक्वता है, स्थिरता है, यह ऊँचाई और गहराई के समन्वय का परिणाम है। किताब 'इगो इज एनिमी' में लेखक रेयान हॉलिडे लिखते हैं, 'अहंकार सफलता और संतुष्टि दोनों का दुश्मन है। इस पर कड़ी नजर बनाए रखना जरूरी है।' जीवन में गति और ठहराव के साथ कुछ रहस्यों की गुंजाइश भी रखनी चाहिए। जिसके लिए हमें जोश भी चाहिए और होश भी। ना होश से घबराएं और ना ही जोश से। तूफान कितना ही भीषण हो, थम ही जाता है। जैसे हर तूफान की एक उम्र होती है तो दुख-दर्द की भी होती है। वैसे, जीवन इतना गंभीर होता भी नहीं, जितना कि हम उसे बना देते हैं।

मप्र के विधानसभा चुनाव में जनता की सरकार ! किस झंडे तले ?

राजीव खंडेलवाल

वर्ष 2023 में होने वाले मध्य-प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम का आकलन आरंभ किए हुए पांच महीने व्यतीत हो चुके हैं। राजनीतिक स्थिति दिन-प्रतिदिन जटिल होती जा रही है। सत्ता के दावेदार मुख्य राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस सक्रिय हो गए हैं। तथापि हमेशा की तरह भाजपा कांग्रेस की तुलना में पूरी तरह से 24म7 समान सक्रिय हो गई है। मेहनत का फल मिलता है, ऐसा कहा जाता है, परंतु राजनीति में ऐसा होना हमेशा जरूरी नहीं होता है। आइए, पिछले 15 दिनों में प्रदेश में हुई राजनीतिक गतिविधियों व घटनाक्रम का आगामी चुनाव की परिणाम की संभावना की दृष्टि से विचार कर ले।

जन लुभावी घोषणाएं।

मध्य प्रदेश के आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में जितने भी सर्वे अभी तक आए हैं उस में भाजपा की सत्ता में निश्चित वापसी कोई सर्वे नहीं बता रहा है जबकि अधिकांश मीडिया पर आजकल बहुत आसानी से गोदी मीडिया का स्लोगन चिपका लगा दिया जाता है। इसका प्रमुख कारण सत्ता विरोधी कारक बताया जा रहा है। शायद इसीलिए शिवराज सिंह चौहान ने सत्ता विरोधी कारक से निपटने के लिए एक तरह से खजाने का पिटारा ही खोल दिया है। हाल में ही मुख्यमंत्री ने संविदा कर्मियों के लिए भत्ता 50 प्रतिशत, आरक्षण, पेंशन, ग्रेच्युटी, बीमा व अवकाश का लाभ देने की जो घोषणा की है वह जनता या कुछ वर्गों में फैले असंतोष को दूर करने का ही प्रयास है प्रयास है। एन चुनावी समय पर घोषणा करने के प्रयास कितने सफल होंगे, इनका आकलन करना होगा। रीवा के पूर्व महाराज पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह भाजपा में शामिल हो गये है, जो पिछले कुछ समय से भर्ती होने की प्रक्रिया के विपरीत है। अर्थात भाजपा से कांग्रेस में जाने की प्रक्रिया को रोक कर कांग्रेस से भाजपा में जाने की रुकी हुई प्रक्रिया फिर से प्रारंभ हुई है।

संगठन में कसावट।

भाजपा हाईकमान ने मध्य-प्रदेश के लिए चुनाव की दृष्टि से नये चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव के साथ सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव को बनाकर संगठन में कसावट लाने का प्रयास किया जा रहा है। शिवराज भाजपा, महाराज भाजपा, नाराज भाजपा राज भाजपा (सत्ता का

सुख भोगते गिने-चुने लोग) व शेष भाजपा के बीच स्थित दूरियां कितनी मिटेगी, यह भी देखने की बात होगी। अभी-अभी केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश की चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक की कमान भाजपा हाईकमान द्वारा सौंपी गई है। वास्तव में यदि नरेंद्र सिंह तोमर को वास्तविक फ्री हैंड दिया जाएगा तो, निश्चित रूप से प्रदेश के बहुत ही अनुभवी नेता होने के कारण साथ ही उनके पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रहने के कारण पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं से उनका जीवंत संपर्क रहने से वे वर्तमान में जनता व कार्यकर्ताओं के बीच विद्यमान असंतोष व विरोधी मूड को बदलने में सक्षम व सफल सिद्ध हो सकते हैं। ऐसा भी संभव है कि भाजपा हाईकमान का यह कदम कहीं तुरुप का इक्का सिद्ध न हो जाए।

नेतृत्व परिवर्तन नहीं?

अमित शाह के अचानक भोपाल दौरे में उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि आगामी विधानसभा के चुनाव वर्तमान नेतृत्व में ही लड़े जायेगें। हमने देखा है, पूर्व में भी राजनीति में इस तरह की बयानबाजी होती रही है, जिसका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं होता है। तब अमित शाह एक तरफ वर्तमान नेतृत्व न बदलने की बात के साथ ही दूसरी ओर यह प्रश्न भी खड़ा कर देते है कि कार्यकर्ताओं में असंतोष क्यों है? तब इसका उत्तर अथवा निदान क्या हो सकता है? इसे समझने की आवश्यकता है। आगामी कुछ समय गुजरने के बाद शायद स्थिति स्पष्ट हो सकती है। परंतु मेरा अभी भी दृढ़ मत है कि शिवराज सिंह का ''रहना ब्रेकिंग न्यूज है, जाना नहीं''? इसलिए इस ब्रेकिंग न्यूज़ का कुछ समय बाद 'ब्रेक' होना लाजमी है। यद्यपि शिवराज सिंह इसे ब्रेक (रोके) किये हुए हैं। अन्यथा आगामी सरकार भाजपा से कोसो कदम कोसों दूर है।

158 कांडों की सूची में एक और नया भ्रष्टाचार का कांड

पटवारी भर्ती कांड के सामने आने पर कांडों को लेकर प्रदेश की राजनीति में पुनः भूचाल सा आ गया है। पुराने अनेकानेक कांडो (स्कैंडल्स), भ्रष्टाचार के मामलों को खखोलकर यादें ताजा की जा रही हैं, या याद दिलाये जाने की चेष्टा हो रही है। ग्वालियर के प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार राकेश अंचल के अनुसार शिवराज सिंह के कार्यकाल में रिकॉर्ड पर कम से कम लगभग 156 भ्रष्टाचार के स्कैंडल्स हो चुके है। चूंकि पटवारी भर्ती कांड का मामला बेरोजगारी से जुड़ा है, जो गंभीर इसलिए है कि वर्ष 2020-2022 के बीच मात्र 21 बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दी गई, जबकि 34 लाख से ज्यादा बेरोजगार अभी भी रजिस्टर्ड है। यह जानकारी विधानसभा में मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने दी थी। विश्व कुख्यात व्यापमं का नाम बदलने से घोटाले रुक नहीं सकते हैं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति व कार्य करने की पद्धति में आमूलचूल परिवर्तन लाने पर ही कांड रूक पायेगें। तब ऐसी स्थिति में राजनीति मे सिर फुटव्वल होना स्वाभाविक ही है।

मामा पर भाई भारी पड़ेंगे क्या?

बड़ा प्रश्न यह है कि लगभग 156 घोटालों, कांडों की सरकार के मुखिया मामा शिवराज सिंह, लाडली बहना योजना के द्वारा भाई बनकर, वाशिंग मशीन होकर क्या मामा के उन कांडों के दागों को धो पाएंगे? यह इस योजना से लाभ प्राप्त करने वाली लाभार्थियों पर होने वाले प्रभाव जिसका आकलन कुछ समय बाद ही किया जा सकेगा, पर निर्भर करेगा। वैसे कर्नाटक में भी केंद्रीय व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का बहुत बड़ा वर्ग बनने के बावजूद भाजपा वहां हार गई थी।

चरमराती कानून व्यवस्था।

पिछले कुछ समय से प्रदेश की कानून की व्यवस्था चरमरा सी गई है, जिसका सत्ता दल की चुनावी संभावनाओं पर चुनाव पर विपरीत प्रभाव कहीं न कहीं पड़ सकता है। सीधी में आदिवासी युवक पर भाजपा विधायक के तथाकथित प्रतिनिधि द्वारा पेशाब करने का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पेशाब कांड पर जिस तरह की व्यक्तिगत क्रिया, प्रतिक्रिया कर मामले को शांत करने का प्रयास किया था। परंतु उक्त पीड़ित आदिवासी व्यक्ति के घटना में शामिल न होने के बयान ने शिवराज सिंह की काफी किरकिरी व छीछालेदर की है।सीधी की इस अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण पेशाब घटना से लेकर तत्पश्चात इंदौर, ग्वालियर, सागर, उज्जैन और शिवपुरी में आदिवासियों व दलितों के साथ हुई बर्बरता पूर्ण घटनाओं ने भाजपा के माथे पर गहरी चिंता बढ़ाई है। नवीनतम घटना विदिशा मे बेटी (छेड़छाड़ के कारण) और तत्पश्चात उचित जांच न होने के कारण उसके पिता द्वारा भी आत्महत्या कर लेने की घटना के बाद के अभी-अभी मध्य प्रदेश के पवित्र स्थल व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के गृह जिला दतिया के उन्नाव थाना क्षेत्र में दो बहनों के साथ किया गया बलात्कार, जहां उक्त दोनों घटनाओं में अपराधियों का भाजपा से संबंध होना बताया जाता है, कानून व्यवस्था पर पुनः गंभीर प्रश्न उत्पन्न करती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में 42000 अपराध अधिक हुए है। आदिवासियों पर अत्याचार के मामले में प्रदेश नंबर 1 पर है। अश्लीलता से जुड़े मामलों में भी मध्यप्रदेश पहले नंबर पर पहुंच गया है। शिवराज सिंह इन सब स्थितियों से कैसे निपटते हैं, इसके लिए कुछ इंतजार अवश्य करना होगा। परंतु निश्चित रूप से शिवराज सिंह के लिए सत्ता के रास्ते काटो भरे रास्ते में कांटे दूर होना कम, बढ़ते ज्यादा दिखाई दे रहे हैं, जो उन को सत्ता में आने से रोकने में कहीं न कहीं बड़ा कारक सिद्ध हो रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

घटिया निर्माण कार्य और अधिकारियों एवं ठेकेदारों की मिलीभगत की खबर चलाने पर पत्रकार पर चाकू से हमला

दमोह आई बी सी के पत्रकार जितेंद्र गौतम पर चाकू से हुऐ हमले को लेकर पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश कुमार सिंह पहुंचे थे हटा सिविल अस्पताल जहा पर घायल पत्रकार जितेंद्र गौतम से हालचाल जाना इस दौरान पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया की मुकदमा कायम हो गया है और आरोपियों की तलाशी की जा रहे है जितेंद्र गौतम जो हमारे चर्चित पत्रकार हैं काफी लगन से काम करते हैं और हो सकता हूं कोई उनके काम से दुखी हो पीड़ित हो उसका नुकसान हुआ हो और मीडिया का काम सत्य को सामने लाना है असत्य से दुखी भी हो सकते हैं अब जो भी दुखी हो अपराधिक किस्म के कृत्य करता है तो हम ऐसे लोगों को छोड़ेंगे नहीं।

सुबह 05 बजे से 08 बजे तक मूसलाधार बारिश,

औबेदुल्लागंज। बरसात कम होने के अंदेशे से किसान परेशान थे परंतु मंगलवार सुबह 05 बजे से आठ बजे तक मूसलाधार बारिश से किसानों के मन का मोर नाच उठा वहीं, अर्जुन नगर, महावीर कॉलोनी, शारदा नगर आदि जगहों पर पानी घरों में घुस गया। औबेदुल्लागंज सहित आसपास के ग्रामों में भी अच्छी खासी बरसात हुई। ज्ञात हो कि घरों में पानी घुसने का सिलसिला कई वर्षों से नगर की बड़ी परेशानी रही है परंतु निराकरण नहीं है। मूसलाधार बरसात होने से कई चहरे खिल गये तो, कइयों की परेशानी बढ़ गई। उक्त बरसात से गंदगी बहकर नाली व पुलिया के माध्यम से नदियों में चली गई। बता दें रायसेन से मिली जानकारी के अनुसार गौहरगंज क्षेत्र में 399.0 मि.मी वर्षा मापी गई है वहीं, जुलाई में हुई अब तक कुल वर्षा 481.8 हुई है।

भाजपा कार्यालय में कावड यात्रा का भव्य स्वागत

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय विजय भवन में शिव मंदिर उत्सव समिति विनोबा वार्ड की भव्य कावड यात्रा के तृतीय वर्ष में ताप्ती घाट खेड़ी सावलीगढ़ से प्रारंभ होकर विनोबा वार्ड शिव मंदिर पर ताप्ती जल से भगवान भोलेनाथ के अभिषेक हेतु क्षेत्र के लगभग एक सैकड़ा कावडियो का भव्य स्वागत सत्कार किया गया। कावडियो में भारी संख्या में महिला एवं पुरुषों के साथ साथ युवाओं की भी सहभागिता दिखाई दी। सोमवार को कावड यात्री भगवान भोलेनाथ का शिव मंदिर विनोबा वार्ड में अभिषेक करेंगें इसके पश्चात आज मंगलवार को महाप्रसादी का कार्यक्रम भी होगा। भाजपा कार्यालय में कावडियो का भव्य सत्कार बैतूल गंज मंडल के अध्यक्ष विकास मिश्रा, मंडल मंत्री रवि हिराणी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान गंज क्षेत्र के प्रबुद्धजन सहित श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कावड यात्रा का स्वागत करते हुए भाजपा जिला सहकोषाध्यक्ष दीपक सलूजा ने कहा कि कावड यात्रा का देश में गौरवशाली इतिहास है। वहीं स्वागत सत्कार के दौरान विधानसभा प्रभारी मधु पाटनकर, बैतूलबाजार मंडल अध्यक्ष सुनील पंवार, पूर्व पार्षद शशिकांत महाले, गंज मंडल सोशल मीडिया प्रभारी मोनू सोनी, कोठीबाजार मंडल उपाध्यक्ष पवन शर्मा, विनोबा वार्ड बूथ अध्यक्ष जितेन्द्र जैन, अनिल खंडेलवाल, आशीष साहू सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध मदिरा की तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कर ग्राम थांदला में भारी मात्रा में अवैध शराब जप्त की

धार, । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री विक्रमदीप सांगर के मार्गदर्शन में रविवार को वृत्त कुक्षी में सूचना के आधार पर अवैध शराब संग्रहण के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए आबकारी विभाग टीम ने आबकारी वृत्त कुक्षी के ग्राम थांदला में अवैध रूप से संग्रहित देसी, विदेशी मदिरा पर लगाम कसते हुए 13 पेटी गोवा व्हिस्की, 12 पेटी मदिरा प्लेन, 18 पेटी माउंट 6000 कांच बियर, 12 पेटी माउंट 6000 केन बीयर कुल 55 पेटी देसी, विदेशी मदिरा जिसकी कुल मात्रा लगभग 510 बल्क मीटर जप्त कर आरोपी महेश पिता जगदीश (मौके से फरार) ग्राम थांदला के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की धारा 34(1)क एवं 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जप्त शराब की कुल अनुमानित कीमत लगभग एक लाख 77 हजार 600 रूपए है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी श्री गोपाल सिंह राठौड़, चंदन सिंह मीणा, आबकारी उपनिरीक्षक मुनेंद्र सिंह ज़ादौन एवं राजेंद्रसिंह चौहान, आबकारी आरक्षक रत्ना अमलियार, ज्योतसिंह मावी एवं पदमा बघेल की टीम द्वारा की गई।

मायसेम फैक्ट्री नरसिंहगढ़ में मादक पदार्थ विनष्टीकरण की कार्यवाही संपन्न

दमोह भारत सरकार नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो नई दिल्ली द्वारा जारी स्टेंडिंग आदेश एवं वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग द्वारा रूल्स एवं नोटिफिकेशन 10 मई 2007 के अंतर्गत धारा 4.1 के अनुसार तथा नारकोटिक्स विंग पुलिस मुख्यालय के आदेश दिनाँक 03.07.2010 के द्वारा मादक पदार्थों के विनष्टीकरण हेतु सागर रेंज, छतरपुर रेंज, ग्वालियर रेंज एवं चंबल रेंज की गठित ड्रग विनष्टीकरण समितियों द्वारा पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन, सागर प्रमोद वर्मा के निर्देशानुसार सागर, छतरपुर, ग्वालियर एवं चंबल रेंज के जिलों में एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों में जप्त अवैध मादक पदार्थ में कुल गांजा 1290 किलो 458 ग्राम डोडाचूरा 1507 किलो 994 ग्राम, स्मैक 2 किलो 499 ग्राम 29 मि.ग्रा. एवं चरस 1.7 किलो का विनष्टीकरण तकनीकी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रदूषण संबंधी सावधानियों के तहत दिनाँक 17.07.2023 को मायसेम सीमेंट फैक्ट्री नरसिंहगढ़ जिला दमोह में किया गया। इस अवसर पर ड्रग विनष्टीकरण समिति सागर रेंज के अध्यक्ष पुलिस उप महानिरीक्षक छतरपुर/सागर रेंज ललित शाक्यवार, ग्वालियर/चंबल रेंज की अध्यक्ष पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर / चंबल रेंज श्रीमती कृष्णावेनी देशावतु, ड्रग विनष्टीकरण समिति के सदस्य क्रमशः पुलिस अधीक्षक दमोह राकेश कुमार सिंह, सदस्य पुलिस अधीक्षक पन्ना धर्मराज मीना, सदस्य पुलिस अधीक्षक ग्वालियर राजेश सिंह चंदेल, सदस्य पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिंह चौहान, सदस्य पुलिस अधीक्षक भिंड मनीष खत्री, सदस्य पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश कुमार सिंह भदौरिया एवं एफ. एस. एल. अधिकारी तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूरे देश के पुलिस अधिकारियों को केन्द्रीय गृहमंत्री भारत सरकार द्वारा वचुअल माध्यम से संबोधित किया गया, जिसमें नशे की रोकथाम करने, मादक पदार्थों का अवैध कारोबार एवं तस्करी करने वालों पर कार्यवाही व इनके नेटवर्क को ध्वस्त करने एवं इनसे संबंधित प्रकरणों के त्वरित अनुसंधान पर जोर दिया गया। नशे का कारोबार कहीं न कहीं आतंकवाद में सहायक होने पर नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कार्यवाही करने तथा एन.डी.पी.एस. एक्ट के विभिन्न प्रावधानों को भी सख्ती से लागू किये जाने के निर्देश दिये गये।

विवाद के चलते पड़ोसी ने धान की फसल पर सूखने वाली दवा का किया छिड़काव

पीड़ित फरियादिया को 70 हजार रुपयों का हुआ आर्थिक नुकसान थाने में शिकायती आवेदन सौप की उचित कार्यवाही की मांग

पिपरिया - मंगलवारा पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत माथनी में पुराने विवाद के चलते पड़ोसी किसान द्वारा फरियादिया की धान की फसल में सूखने वाली दवा का छिड़काव कर फसल सुखाने संबंधी शिकायती आवेदन दिया गया है।

जिसमें फरियादिया सीमा पति स्वर्गीय अरविंद पटेल ने माथनी निवासी मनीष पटेल के खिलाफ़ थाने में एक शिकायती आवेदन सौप पुलिस प्रशासन से उचित कार्यवाही की मांग गई है।शिकायतकर्ता सीमा पटेल ने बताया कि - 25 जनवरी 2023 में संदिग्ध परिस्थितियों में पति की जबलपुर में मृत्यु हो गई थी इनके पास मौजा माथनी स्थित 2. 480 हेक्टेयर भूमि दर्ज थी, वहीं ग्राम के मनीष पटेल ने फर्जी रजिस्टर्ड विक्रय पत्र 17जनवरी 2023 के आधार पर बैंक में बंधक भूमि मिल जुलकर नामांतरण करा लिया नाही उसने कोई विक्रय मूल्य दिया नाही किसी प्रकार का हमने उसे कब्जा दिया जिसमें नामांतरण के लिए अपील लंबित है, पटवारी रिपोर्ट अनुसार उक्त भूमि पर मेरा व मेरे जेठ का कब्जा चला आ रहा है।मनीष द्वारा ख. नं. 144/2 रकवा 1.0 11 में से 0. 209 हेक्टेयर भूमि खरीदना बताकर बलपूर्वक एवं जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है साथ ही फरियादिया सीमा ने आगे बताते हुए कहा कि भूमि ख. नं. 144/2 रकवा 01.11 है पर मैने धान की फसल लगवाई थी जिसमें मनीष पटेल ने धान सुखाने की दवाई डलवा दी जिससे मेरी धान की फसल सूख गई और लगभग मेरा 70हजार रुपयों का नुकसान हो गया, प्रशासन से अनुरोध है कि उचित कार्यवाही कर सुरक्षा प्रदान की जावे।

छात्रावास की व्यवस्थाओं की हुई सराहना सवालों के सही जवाब देने पर बच्चों को किया पुरूस्कृत

छतरपुर। राज्य शासन से छतरपुर जिले के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारी मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया ने सोमवार को तीन दिवसीय स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत जिले के अनेक स्कूलों में भ्रमण कर छात्रों से संवाद किया एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं को भी देखा। सोमवार से जिले के समस्त विद्यालयों में स्कूल चलें हम कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और शाजापुर के गुलाना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के वर्चुअल उद्बोधन को विद्यालयों में टीवी एवं रेडियो के माध्यम से देखा एवं सुना।

प्रबंध संचालक श्री लवानिया ने कहा कि विद्यालयों में छात्रों के ज्ञान को परखने के लिए कई बार उन्होंने शिक्षक की भूमिका भी निभाई। उन्होंने बच्चों से गणित एवं अंग्रेजी के कई सवाल किए, जिनका सही जवाब देने पर छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

उन्होंने छाती पहाड़ी, बड़ागांव, धर्मपुरा एवं नौगांव के स्कूल सहित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास चुरवारी का भ्रमण किया। जहां छात्राओं से संवाद करते हुए उन्होंने छात्रावास की गतिविधियों को जाना और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए वार्डन को बधाई दी। साथ ही प्राथमिक शाला धरमपुरा में मुनगा एवं बालिका छात्रावास चुरवारी में बरगद का पौधा लगाया। उन्होंने सीएम राइज विद्यालय का भ्रमण व्यवस्थाओं की सराहना की। कक्षा दसवीं की कक्षा में बच्चों को गणित का एक सवाल दिया, जिसे सभी बच्चों ने हल कर दिया। सबसे कम समय में हल करने वाली छात्रा को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने पुरस्कार प्रदान किया। जीव विज्ञान एवं रसायन प्रयोगशाला में प्रयोग करते हुए बच्चों से किए सवालों के सही जवाब मिलने पर शाबाशी दी। इस दौरान नौगांव एसडीएम विनय द्विवेदी, डीपीसी आरपी लखेर, एपीसी अकादमिक नीरज खरे, नौगांव बीआरसीसी अनुराग खरे उपस्थित रहे।

नगर के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे पुनः बने लायंस क्लब बैरसिया के अध्यक्ष

बैरसिया।। लायंस क्लब के संस्थापन समारोह में लायंस क्लब बेरसिया का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष लायन दीपक दुबे सचिव लायन ओम प्रकाश गुप्ता कोषाध्यक्ष लॉयन मनोहर लाहोटी उपाध्यक्ष प्रथम हेमंत चौहान उपाध्यक्ष द्वितीय राजेश दुदानी कार्यकारिणी सदस्य लायन अमरजीत गांधी लायन प्रमोद गुप्ता ट्रीमर लॉयन नरेश सर्राफ टेस्टर लॉयन विजय गुप्ता बनाए गए। इस अवसर पर लायंस क्लब के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रकाश सेठ पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन कमल भंडारी लॉयन अजीम खान जोन चेयरपर्सन गगन कांत त्रिपाठी लायंस क्लब भोपाल से लायन रविंद्र जैन लायन महेश मालवीय लॉयन रामू सेन उपस्थित रहे इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष लॉयन दीपक दुबे द्वारा कहा गया है की क्लब द्वारा उन्हें दी गई जिम्मेदारी गर्व से निभाएंगे और क्लब की बेहतरी के लिए काम करेंगे उन्होंने कहा कि क्लब द्वारा जल्दी ही नई सामाजिक कल्याण गतिविधियों में तेजी लाएंगे और कुछ नए कार्य समाज के बीच में जाकर क्लब द्वारा किए जाएंगे इस अवसर पर उपस्थित सभी साथियों द्वारा बधाई दी गई

उल्लेखनीय है कि नगर के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे वर्तमान में भी लायंस क्लब बैरसिया के अध्यक्ष है।उनका लायंस क्लब के प्रति समर्पित भाव एवं समाज सेवा को देखते हुए उन्हें लायंस क्लव की टीम ने पुनः लायंस क्लब बैरसिया का अध्यक्ष का दायित्व सौपा है।

गौतस्कर कहां से गौवंश लाते हैं, गौमांस कहां जाता है

उच्च स्तरीय मांग को लेकर आरएचएस ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने गृह मंत्री नरोत्तम मिश्र के नाम से गौमाता का कत्ल करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मध्य भारत प्रांत सह मंत्री सचिन माहाजन और मध्य भारत प्रांत सह सचिव बन्टी सरियाम ने बताया की 15 जुलाई की मध्य रात्रि ग्राम रावनवाड़ी में अमीन अली, अयूब खान, अजीम खान, मुर्सरफ खान और जावेद खान द्वारा गौमाता का कत्ल किया जा रहा था। सूचना मिलने पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और तीन फरार हो गए। युवा जिला अध्यक्ष अनुज राठोर ने बताया कि आरोपियों के अतिक्रमण वाले निवास पर बल्डोजर चलाया जाए और बूचडखाने वाले खेत के भूस्वामी पर भी प्रकरण दर्ज किया जाए। जिला युवा महामंत्री अमित यादव ने कहा कि गौमाता गौ तस्कर कहां से लाते हैं और कत्ल करने के बाद गौमांस को कहां ले जाया जाता है इसकी उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए। प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव ने बताया कि पूर्व में भी बैतूल में ऐसी घटनाएं कारित हुई हैं। उनकी भी पुनः जांच की जानी चाहिए की वह वर्तमान में भी इसमें लिप्त तो नहीं हैं। युवा जिला संयोजक संजय यादव ने बताया कि बैल बाजार की आड़ में यह तस्करी हो रही है। बैल बाजारों में गाय-बैल क्रय करने आते हैं। जिसे देखते हुए बैतूल जिले के सभी बैल बाजार को बंद किया जाए। ज्ञापन सौंपते हुए प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे, तहसील संयोजक विक्रांत कनाठे, प्रखंड अध्यक्ष राधेशाम यादव, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख राजा कुभारे, प्रखंड उपाध्यक्ष सचिन वाग्रदरे, प्रखंड अध्यक्ष नवीन जावलकर, प्रखंड मंत्री गोरिशकर गजामे, प्रखंड अध्यक्ष संदीप यादव, प्रखंड उपाध्यक्ष अरूण देशमुख, नगर अध्यक्ष नवल प्रजापती, नगर महामंत्री मोसम मालवीय, सचिन सोनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे

भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मालवीय के मुख्य आतिथ्य में किया गया 27 लाख लगात से बने नवीन भवन का लोकार्पण

सीहोर। जिस तरह से हम अपने घर को स्वच्छ रखने में प्रबंधन करते हैं और जिम्मेदारी से काम करते हैं। ठीक उसी तरह शहर को सुंदर व स्वच्छ रखने में भी हमें अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। शहर को स्वच्छ रखने में प्रशासन के साथ ही जनभागीदारी भी बहुत जरूरी है। हमारे नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर के नेतृत्व में शहर की तस्वीर ही बदल गई है। शहर को विकसित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आशीर्वाद से विकास में कोई कमी नहीं आएगी। उक्त विचार शहर के जिला अस्पताल के पास नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में सोमवार को करीब 27 लाख 82 हजार से स्वास्थ्य एवं कर्मशाला, विद्युत एवं हैंण्पंप शाखा के नवीन भवन के लोकार्पण के दौरान मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रवि मालवीय ने कहे। जानकारी के अनुसार सोमवार को नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में सोमवार को करीब 27 लाख 82 हजार से स्वास्थ्य एवं कर्मशाला, विद्युत एवं हैंण्पंप शाखा के नवीन भवन के लोकार्पण का आयोजन किया गया था।

सफाई कर्मियों के 9 वे दिन की भूख हड़ताल में नगर निगम प्रतिपक्ष नेता हुए शामील

खंडवा।अभिनेष सिंह। मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षाकर्मी हो स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी हो आशा कार्यकर्ता हो सभी ने अपनी मांगों के लिए शासन के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया जिसका सत्ता और शासन ने कुछ ना कुछ विकल्प निकालते हुए उन्हें पुनः काम पर तो बुला लिया मगर खंडवा के नगर निगम चौराहे पर विगत 9 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों के 3 सूत्री मांगों के समाधान को लेकर अभी तक नगर निगम प्रशासन सत्ता एवं जिला कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने भी एक बार भी भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों की सुध नहीं ली। नगर निगम कर्मचारी रंजीता चौहान के 9 वे दिन की भूख हड़ताल में धीरे-धीरे आम जनता अधिकारी व्यापारी राजनीतिक दल के साथ बाल्मीकि समाज जुड़ चुका है रविवार को रंजीत चौहान के साथ उषा सारसर ने भी भूख हड़ताल प्रारंभ कर दी। खंडवा नगर निगम प्रतिपक्ष नेता मुल्लू राठौर ने बताया कि वर्तमान में सफाई कर्मियों के द्वारा जिन 3 सूत्री मागों के लिए भूख हड़ताल का आयोजन किया गया है यह तीनों मांगे वाल्मीकि समाज की जायज मांगे हैं विनियमितीकरण समाप्ति को लेकर प्रतिपक्ष नेता ने कहा की देशभक्त और सेवा समर्पित इस समाज को सत्ता और प्रशासन द्वारा भरपूर सहयोग प्रदान करना चाहिए ना कि गुमराह करते हुए इन्हें अधर में लटकाना चाहिए, वही स्थाई नौकरी और निवासरत आवासों को लेकर प्रतिपक्ष नेता ने वर्तमान भारतीय जनता पार्टी शासन पर दोहरी रीति नीति अपनाने का दोष लगाया। खंडवा में चल रहे नौवें दिन की क्रमिक भूख हड़ताल का समर्थन करने आए प्रतिपक्ष नेता ने भी आज मंगलवार से भूख हड़ताल का शंखनाद कर दिया है और कहां है जब तक इनकी जायज मांगों को सत्ता पक्ष नहीं मानेगा तब तक यह भूख हड़ताल अनवरत चलती रहेगी आज केवल तीन लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं यदि मांगे नहीं मानी गई तो जल्दी ही खंडवा का संपूर्ण वाल्मीकि समाज अपने सारे काम काज छोड़कर व्यापक भूख हड़ताल पर बैठ जाएगा। वही प्रथम दिन से भूख हड़ताल पर बैठी रंजीता चौहान की हालत दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है मगर सत्ता के पदाधिकारियों व प्रशासन के अधिकारियों ने अभी तक भूख हड़ताल पर बैठी रंजीता चौहान का स्वास्थ्य परीक्षण तक नहीं कराया, वर्तमान में आक्रोशित वाल्मीकि समाज का कहना है कि प्रशासन और सत्ता वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए विकास के लिए नाही दृढ़ संकल्पित है और ना ही की मांगों को जायज मानती है तभी तो मरणासन्न स्थिति में पड़ी रंजिता चौहान की बदतर हो रहे स्वास्थ्य को पूछने तक अभी तक कोई नहीं आया।

स्कूल चले हम अभियान का शासकीय स्कूल में शिक्षकों ने छात्र छात्राओं को दिखाया लाइव टेलीकास्ट

योगेश गुप्ता/ बैतूल :- शिक्षा के बिना जीवन सूना इसीलिए स्कूल चले हम स्कूल चले हम अभियान के तहत जाकिर हुसैन वार्ड गंज स्थित शासकीय प्राथमिक उच्चतर माध्यमिक शाला स्कूल मैं सभी शिक्षक एवं छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शाजापुर जिले गुलाना स्कूल में स्कूल चले हम 2023 के शुभारंभ पर विद्यार्थियों को संबोधित किया गया था जिसका लाइव टेलीकास्ट स्कूल के बच्चों को स्क्रीन पर दिखाया गया जिससे छात्र छात्राओं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन से जीवन में शिक्षा की प्रेरणा मिली उन्होंने शिक्षा के महत्व को अधिक समझे इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप पहुंचे श्री एम एस सोलंकी ने कहा कि बच्चों को अपने उज्जवल भविष्य के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना जरूरी है अगर कोई बच्चा स्कूल जाने से संकोच महसूस करता है तो उसके आत्मविश्वास को बढ़ाकर शिक्षा दिलाना उनके माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारी होती है जिन्हें निभाना उनका दायित्व वही पूर्व पार्षद भाजपा नेता संजू सोलंकी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा स्कूल चले हम अभियान प्रदेश के छात्र-छात्राओं बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए निश्चित ही एक नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी पार्षद नंदिनी तिवारी के द्वारा स्कूल के बच्चों को इस अवसर पर उपहार एवं स्कूल सामग्री का वितरण किया गया उन्होंने शिक्षा के दान को महत्व बताया है उन्होंने कहा कि धन जीवन में खर्च हो सकता है लेकिन शिक्षा का धन खर्च करने से अधिक बढ़ता है वही समाज सेवक करण प्रजापति ने कहा कि शासकीय स्कूलों की तुलना में प्राइवेट स्कूलों में बच्चों का दाखिला अधिक संख्या में कराया जाता है जिससे आए दिन स्कूल प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस को लेकर चर्चाएं सामने आती है शिक्षा के मिशन को बढ़ाने के लिए माता पिता अपने बच्चों का शासकीय स्कूलों में एडमिशन अवश्य करवाएं बल्कि हम अपने आसपास के कमजोर परिवार के बच्चों को शिक्षा लेने में मदद भी करें जिससे अच्छे समाज का निर्माण हो सके

कार्यक्रम के पश्चात श्री एम एस सोलंकी द्वारा स्कूल परिसर में पौधा रोपण किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रिंसिपल शैल तिवारी नवीन वरवड़े शिक्षक एस ब्राह्मने उर्मिला उबनारे प्रकाश झारे संध्या वर्मा हीरा मैडम अनीशा खान मैडम मालवीय सर सहित वार्ड वासी करण प्रजापति पार्षद अशोक नागले योगेश गुप्ता उपस्थित रहे

नाम परिवर्तन

में शौर्य अग्रवाल उर्फ शिवा अग्रवाल, उम्र 18 साल आत्मज स्व श्री पवन अग्रवाल पता छत्रसाल मार्ग चौक बाजार कोतवाली मार्ग छतरपुर जिला छतरपुर मध्य प्रदेश निम्न कथन सत्यनिष्ठा से करता हुआ. आधार नं. 963203581376, मो.8871441085 एल आई सी प्लान नंबर 188, पॉलिसी नंबर 376684254 मेरे नाम है। उक्त पॉलिसी ने मेरा नाम **शिवा अग्रवाल तनय श्री पवन अग्रवाल** लेख है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम **शौर्य अग्रवाल तनय पवन अग्रवाल** है। मेरे बचपने का नाम शिवा अगवाल है। तत्समय मेरे पिता ने इस घरेलू नाम से पॉलिसी खुला दी थी। यह कि मेरे आधार कार्ड 963203581376 में मेरे राशि का नाम शौर्य अग्रवाल लेख है जो सही है। मैं यह शपथपत्र अपनी उक्त पॉलिसी में अपने बचपन का नाम / घरेलू नाम शिवा अगवान के स्थान पर अपना राशि का सही नाम **शौर्य अग्रवाल** कराने हेतु दे रहा हूँ जो सत्य है।

शिवा उर्फ शौर्य अग्रवाल पिता स्व श्री पवन अग्रवाल ,छतरपुर म.प्र.

सार्वजनिक सूचना

मैं TAHIR AHEMAD KHAN (पुरुष 72 वर्ष) निवासी 55 बी, 4 क्वार्टर एन.आर. आई. कालोनी रोड अहमदाबाद पैलेस, कोहेफिजा भोपाल 462001 अपने निजी एवं सार्वजनिक जीवन में अपना पासपोर्ट -पासपोर्ट नाम **TAHER AHAMED KHAN** परिवर्तिम करने की घोषणा करता हूं,

प्रेषक

TAHIR AHEMAD KHAN निवासी 55 बी, 4 क्वार्टर एन.आर. आई. कालोनी रोड अहमदाबाद पैलेस, कोहेफिजा भोपाल 462001

KRISHAK JAGAT - National Agriculture Newspaper and INDIAN AGRICULTURE

RESEARCH INSTITUTE (IARI), New Delhi also known as Pusa Institute, today signed a MoU to help improve the reach of knowledge among the farmers in India. KRISHAK JAGAT will act as an extended extension partner of IARI and will utilize its communication channels (Print / Digital) to

disseminate the knowledge and technologies developed by IARI. KRISHAK JAGAT will help IARI to reach out to its +2.2 lakh subscriber farmers and provide them with timely and accurate information that will help them to improve their farming practices, adopt the latest variety, and help them enhance their income. This gives KRISHAK JAGAT readers access to exclusive first-hand information from IARI. The partnership will further explore more areas of collaboration to improve the sustainability of farming practices and the profitability of Indian farmers.

MoU was signed by Dr. Rabindra Nath Padaria, Joint Director (Extension), IARI, and Nimish Gangrade, Director, Krishak Jagat.\

भारत में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए गोदरेज एंड बॉयस को मिला सीआईआई ग्रीनको चैंपियन पुरस्कार

कंपनी की अप्लायंसेज बिजनेस यूनिट है सीआईआई ग्रीनको प्लैटिनम प्लस रेटिंग हासिल करने वाला भारत का पहला ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी गोदरेज एंड बॉयस को भारत में उद्योगों के बीच ग्रीन कंपनी मूवमेंट का नेतृत्व करने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा हाल ही में प्रतिष्ठित ग्रीनको चैंपियन अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है। पद्म विभूषण से सम्मानित डा आर ए माशेलकर ने कंपनी को यह पुरस्कार प्रदान किया। गोदरेज एंड बॉयस के साथ तीन और कंपनियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

गोदरेज एंड बॉयस के तीन उद्यमोंए गोदरेज एप्लायंसेसए गोदरेज लॉकिंग और गोदरेज स्टोरेज सॉल्यूशंस को उनकी हरित विनिर्माण गतिविधियों के लिए 11 पुरस्कार हासिल हुए हैं। गोदरेज एप्लायंसेस के मोहाली और शिरवाल संयंत्रों और गोदरेज लॉकिंग मोटर्स को प्लैटिनम प्लस प्रमाणन प्राप्त हुआ है और लैंडफिल और वाटर पॉजिटिविटी के लिए शून्य अपशिष्ट के लिए भी सम्मान प्राप्त हुआ है। गोदरेज स्टोरेज सॉल्यूशंस को ग्रीनको सिल्वर सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है।

जुरवन मारोलिया सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गोदरेज एंड बॉयस ने कहाए हम ग्रीनको चैंपियन अवार्ड के साथ प्रतिष्ठित भारतीय उद्योग परिसंघ ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा सम्मान प्राप्त होने पर अविश्वसनीय रूप से गर्व महसूस कर रहे हैं। यह सम्मान गोदरेज एंड बॉयस द्वारा पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार विनिर्माण प्रक्रियाओं को अपनाने की दिशा में

किए गए निरंतर और सचेत प्रयासों को प्रमाणित करता है। स्थिरता और जिम्मेदारी का हमारा दर्शन एक मुख्य सिद्धांत है जो शुरू से ही हमारे संगठनात्मक डीएनए में गहराई से निहित है। हमें पूर्ण विश्वास है कि ईमानदार निर्माताओं के रूप मेंए दुनियाभर में टिकाऊ विनिर्माण प्रथाओं की दिशा में नेतृत्व करने के लिए हमारे पास जनादेश है। हमारी ग्रीनको प्लैटिनम प्लस रेटिंग इसके लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो जिम्मेदार उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पित प्रयासों को दर्शाता है।

प्लैटिनम प्लसए जो सीआईआई.जीबीसी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाणन विश्व स्तर का उच्चतम सम्मान है ऊर्जा दक्षताए जल संरक्षणए नवीकरणीय ऊर्जा जीएचजी उत्सर्जन में कमीए अपशिष्ट सामग्री, सामग्री संरक्षण और रीसाइक्लिंग और पुनर्चक्रणीयता हरित आपूर्ति श्रृंखलाए उत्पाद प्रबंधन और जीवन चक्र मूल्यांकनए हरित बुनियादी ढांचा और पारिस्थितिकीए और पर्यावरण के लिए नवाचार सहित कई मापदंडों में कंपनी की दक्षता का मूल्यांकन करता है। रेटिंग सिस्टम कंपनियों के पर्यावरणीय प्रयासों का मूल्यांकन करने के लिए इन मापदंडों का उपयोग करता है और विशिष्ट ऊर्जा खपत को कम करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ उन्हें मूल्यांकन के आधार पर रेटिंग प्रदान की जाती है। आगामी सभी जीएंडबी विनिर्माण सुविधाओं को ग्रीन बिल्डिंग्सफैक्टरीजश् के सिद्धांतों पर डिजाइन किया गया है।

ग्रीनको मान्यता व्यवसायों को भविष्य के पर्यावरणीय नियमों के लिए तैयार करती है और हितधारक पारदर्शिता को बढ़ाती है। यह टीमों के बीच क्षमता निर्माण को बढ़ावा भी देता हैए समकक्षों और प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ एक बेंचमार्क प्रदान करता है। हरित प्रदर्शन की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप मेंए यह प्रमाणन स्थायी व्यापार विकास और नवाचार के लिए एक दीर्घकालिक मार्ग प्रशस्त करता है।

सैमसंग गैलेक्सी एम34 5जी मॉन्स्टर डिस्प्ले, कैमरा और बैटरी के साथ 15 जुलाई से हुआ बिकना शुरू

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग की अत्यधिक सफल गैलेक्सी एम सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफोन, गैलेक्सी एम34 5जी भारत में 15 जुलाई, 2023 से बिकना शुरू होगा। गैलेक्सी एम34 5जी में सर्वश्रेष्ठ विशेषताएं, स्टाइलिश डिज़ाइन, शक्तिशाली बैटरी, और शानदार परफॉर्मेंस जैसी खूबियां हैं। गैलेक्सी एम34 5जी में 50 मेगापिक्सल (ओआईएस) नो शेक कैमरा एवं फ्लैगशिप नाईटोग्राफी फीचर के साथ 120हर्ट्ज़ 6.5'' फुल एचडी+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले है, जो काफी अच्छा व्यूईंग अनुभव प्रदान करता है। इसमें लंबे समय तक ब्राउज़िंग, गेमिंग और बिंज-वॉचिंग के लिए 6000एमएएच की बैटरी दी गई है, और पॉवर-पैक्ड परफॉर्मेंस के लिए इसमें सुपर-एफिशियंट 5नैनोमीटर एक्सिनोस 1280 चिपसेट लगा है। गैलेक्सी एम34 5जी में गैलेक्सी के अनेक आकर्षक फीचर्स हैं।

श्रीमती इति पांडे इन्होंने भुसावल मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाला

भारतीय रेल यातायात सेवा 1998 बैच के एक अधिकारी श्रीमती इति पांडे इन्होंने मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एस एस केडिया का स्थान लिया है। उन्होंने मध्य रेलवे की गैर-किराया राजस्व आय और टिकट चेकिंग में आय बढ़ाने प्रमुख भूमिका निभाई।

वर्ष 2022-23 में गैर-किराया राजस्व के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा मध्य रेलवे को लक्ष्य 82 करोड़ दिया गया था। और उनके नेतृत्व में मध्य रेलवे ने 87 करोड़ राजस्व आय हासिल की है। वर्ष 2022-23 में रेलवे बोर्ड द्वारा मध्य रेलवे को टिकट चेकिंग आय का लक्ष्य 235.30 करोड़ दिया गया था। और उनकी गहरी प्लानिंग के कारण मध्य रेलवे ने 303.91 करोड़ की राजस्व हासिल की। और वर्ष 2022-23 में 46.95 लाख बिना टिकट यात्रियों को दंडित किया गया। टिकट चेकिंग से होने वाली कमाई के मामले में मध्य रेलवे भारतीय रेलवे के सभी 16 जोन में नंबर 1 स्थान पर है।

उन्हें वाणिज्य विभाग के अलावा संरक्षा विभाग और सतर्कता विभाग में भी काम करने का अनुभव था।

मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण करने से पहले, श्रीमती इति पांडे मुख्य वाणिज्य प्रबंधक यात्री सेवा मुख्यालय मध्य रेलवे के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने मध्य रेल और पश्चिम रेलवे में पदों जैसे मुख्य वाणिज्य प्रबंधक माल भाड़ा ,उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मंडल वाणिज्य प्रबंधक ,सहायक वाणिज्य प्रबंधक के रूप में कार्य किया है। इन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में मैराथन प्रतियोगिता में भाग लिया और 11 घंटे 47 मिनट में 88 किमी की दूरी तय करके जीत हासिल की। यह भारतीय रेलवे के एकमात्र महिला खेल अधिकारी हैं।

पेज 1 का शेष

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना: दो अगस्त से फिर यात्रा प्रारंभ होगी, 29 ट्रेन कराएंगी तीर्थ दर्शन

मध्यप्रदेश शासन
धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
// आदेश //

क्र. एफ 3-3/2022/68 भोपाल, दिनांक 13/07/2023

प्रति,
कलेक्टर,
समस्त जिले (मध्यप्रदेश)।

विषय:- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा दिनांक 02.08.2023 से 15.10.2023 तक।

—00—

विषयांतर्गत कृपया धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना नियम-2012 एवं इस नियम में समय-समय पर संशोधित नियमों (विभागीय वेबसाईट www.dharmasva.mp.gov.in पर उपलब्ध) का अवलोकन करने का कष्ट करें। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों जो 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति (महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट) जो आयकरदाता नहीं है, को प्रदेश/ प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न नाम निर्दिष्ट तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना परिकल्पित की गयी है।

1. योजना का क्रियान्वयन IRCTC (Indian Railway Catering and Tourism Corporation Limited), जो कि भारत सरकार का उपक्रम है, के द्वारा किया जा रहा है। यात्रा IRCTC के पैकेज के अनुसार की जायेगी। ट्रेन जिस स्थान से प्रारंभ होगी उसी स्थान पर ही वापस आकर रुकेगी। यात्रियों का चयन संबंधित जिले के कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। चयन के पश्चात् कलेक्टर यात्रियों की एक-एक सूची संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, अपर बेसमेंट, बी विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल तथा IRCTC के पर्यावास भवन, भोपाल स्थित कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे। उक्त सूची एवं आनुषंगिक कागजातों को स्थायी अभिलेख के रूप में कलेक्टर द्वारा संधारित किया जावेगा।
2. तीर्थ यात्रियों को विशेष ट्रेन द्वारा प्रस्थान के स्टेशन से लेकर यात्रियों को वापस उसी स्टेशन पर पहुँचाने की जिम्मेदारी IRCTC की रहेगी। यात्रा के दौरान यात्रियों को भोजन, नाश्ता एवं चाय आदि IRCTC उपलब्ध करायेगा। यात्रियों के रुकने की व्यवस्था, उन्हें तीर्थ स्थल तक बसों द्वारा ले जाने, वापस ट्रेन में लाने एवं गाइड आदि की व्यवस्था भी IRCTC करेगा। IRCTC द्वारा तीर्थ यात्रियों को तुलसी माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जावेंगे तथा तीर्थ यात्रियों के लिए भजन मण्डली की व्यवस्था तथा भजन संध्या का आयोजन भी किया जावेगा।
3. ट्रेन जिन-जिन स्टेशनों से प्रारंभ होगी एवं रुकेगी वहां तक यात्री को स्वयं अपने व्यय से आना होगा। उसके पश्चात यात्रा हेतु कोई शुल्क देय नहीं होगा। परन्तु यदि कोई यात्री विशिष्ठ सुविधायें का लाभ प्राप्त करता है, उसका व्यय यात्री स्वयं वहन करेगा। यात्रियों से अपेक्षा है कि वे मौसम के अनुरूप वस्त्र, ऊनी वस्त्र, व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री यथा कंबल, चादर, तौलिया, साबुन, कंघा, दवाईयां, दाढ़ी बनाने का सामान आदि साथ में रखें। तीर्थ यात्री अपने साथ ओरीजनल आधार कार्ड/ वोटर कार्ड अनिवार्य रूप से रखें।
4. ट्रेन में उपलब्ध बर्थो के विरुद्ध तीर्थ यात्रियों/ सहायकों/ अनुरक्षक (एस्कार्ट) के रूप में शासकीय अधिकारी/ कर्मचारियों को भेजा जाता है। ट्रेनों में उपलब्ध बर्थो एवं अनुरक्षकों की संख्या को प्रत्येक जिले के लिये आवंटित किया गया है, ट्रेन जिस जिले से प्रारंभ होगी उसी जिले से सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था की जाएगी।
5. आवेदक एक या एक से अधिक स्थान के लिये यात्रा हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। परन्तु वह केवल एक ही स्थान की यात्रा कर सकेगा। यदि लाटरी में एक से अधिक स्थानों की यात्रा हेतु आवेदक का चयन होता है तब जिस स्थान की यात्रा में उसका नाम चयन सूची में ऊपर है उस स्थान के लिये उसे चयनित समझा जायेगा। यदि किसी व्यक्ति का चयन किसी यात्रा के लिये हो जाता है और यदि उसके पश्चात आयोजित होने वाली यात्रा की चयन सूची में भी उसका नाम है तब बाद वाली चयन सूची से उसका नाम हटा दिया जायेगा।
6. जिला कलेक्टर पूर्वानुसार योजना का प्रचार-प्रसार स्थानीय अखबारों में विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करेंगे। उक्त आवेदन निकटतम तहसील, स्थानीय निकाय, जनपद कार्यालय अथवा कलेक्टर द्वारा निर्धारित अन्य विज्ञप्ति स्थानों पर जमा किये जा सकेंगे।
7. जिस जिले से ट्रेन आरंभ होगी उस जिले से संबंधित जिले के कलेक्टर ट्रेन में तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एक शासकीय डॉक्टर की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करेंगे। ड्यूटी डॉक्टर चाहे तो अपनी पत्नी या सहायक को भी यात्रा में साथ ले जा सकते हैं। डॉक्टर एवं उनकी पत्नी/सहायक आवंटित कोटे में सम्मिलित माने जायेंगे। डॉक्टर का मोबाईल नम्बर IRCTC को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। डॉक्टर को नियमानुसार IRCTC से मानदेय प्रदाय किया जायेगा।
8. यदि जिले को आवंटित निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होते है। ऐसी स्थिति में यात्रियों का चयन कम्प्युटराईज्ड लॉटरी से किया जाये। निर्धारित कोटे से 10 प्रतिशत अतिरिक्त तीर्थ यात्रियों की पृथक से प्रतीक्षा सूची तैयार करेंगे। किसी कारण से कतिपय तीर्थ यात्री यात्रा में जाने में असमर्थ रहते है, तो ऐसी स्थिति में प्रतीक्षा सूची के अनुक्रम अनुसार तीर्थ यात्रियों को यात्रा पर भेजे जा सकते हैं। इसी प्रकार किसी जिले को आवंटित यात्रियों का कोटा पूर्ण नहीं होने पर उसे अन्य जिले की प्रतीक्षा सूची/ प्राप्त आवेदनों से पूर्ति की जा सकेगी।
9. कलेक्टर्स एवं प्रबंधक, IRCTC को निम्नलिखित निर्देश जारी किये जा रहे हैं इनका पालन करना सुनिश्चित करें:-

(i) मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में किसी भी स्थिति में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति ट्रेन में प्रवेश नहीं करें। यात्रा के दौरान जांच में अनाधिकृत व्यक्ति पाये जाने पर उसे उसी स्टेशन पर उतारा जा सकता है। अनाधिकृत व्यक्तियों के यात्रा करने पर उस व्यक्ति से, उससे संबंधित जिले के अनुरक्षकों एवं जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से व्यय राशि वसूल की जावेगी।

(ii) समस्त कलेक्टर्स मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना यात्रा का पर्याप्त प्रचार-प्रसार करें किसी भी स्थिति में निर्धारित कोटे से कम तीर्थ यात्री नहीं होना चाहिये एवं जिले के समस्त विकासखण्डो एवं नगरीय निकायों से आवेदन पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित किया जावे। तीर्थ यात्रियों की निर्धारित पात्रता का परीक्षण किया जावें एवं सूची निर्धारित समयावधि में संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना एवं प्रबंधक, IRCTC को उपलब्ध कराई जावें ताकि तीर्थ यात्रियों के टिकिट बनवाने में असुविधा न हो।

(iii) प्रबंधक IRCTC यह सुनिश्चित करें कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेन निर्धारित तिथि व समय पर संबंधित जिले में पहुँच सके ताकि तीर्थ यात्रियों को परेशानी न हो। ट्रेन के समय में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत संबंधित तीर्थ यात्रियों को उत्तम गुणवत्ता का भोजन, नाश्ता एवं शुद्ध पेयजल (कम से कम 2 मिनरल वाटर की बोतलें प्रतिदिन) दी जावें।

(iv) मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जाने वाले अनुरक्षक ट्रेन के प्रस्थान होने के उपरांत प्रति चार घंटे बाद तीर्थ यात्रियों की कुशलता के संबंध में संबंधित जिले के कलेक्टर एवं जिले के नोडल अधिकारी, कार्यालय संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को अवगत कराएंगे। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि तीर्थ यात्रियों को निर्धारित समय पर नाश्ता, भोजन एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था हो।

(v) जिले से एक पर्यवेक्षक (एक अनुरक्षक के स्थान पर) जो पद में तहसीलदार अथवा उसके समकक्ष हो, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा में तीर्थ यात्रियों के साथ ट्रेन में यात्रा करेगा एवं IRCTC द्वारा की गयी समस्त व्यवस्थाएं (भोजन, नाश्ता, पेयजल, शौचालय की स्थिति, तीर्थ स्थल पर रुकने की व्यवस्था) के संबंध में प्रतिवेदन कलेक्टर के माध्यम से राज्य शासन को प्रेषित करेगा।

10. संबंधित कलेक्टर यात्रियों की सूची (Hardcopy एवं Softcopy ई-मेल dndvmp@gmail.com पर) संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना एवं अपर महाप्रबंधक (पर्यटन) IRCTC क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल को उपलब्ध कराऐगें। तीर्थ यात्रियों की एक सूची संबंधित संभागायुक्त को उपलब्ध करायेंगे। कलेक्टर चयनित तीर्थ यात्रियों को रेल प्रस्थान की तिथि, समय एवं स्थान से अवगत करायेंगे। IRCTC तीर्थ यात्रियों की यात्रावार अभिप्रमाणित सूची विभाग को उपलब्ध करायेगा।

(अधिक जानकारी के लिये संचालनालय धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व कार्यालय के दूरभाष नं. 0755-2767116 तथा ई-मेल dndvmp@gmail.com पर संपर्क कर सकते है, साथ ही धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग की वेबसाईट www.dharmasva.mp.gov.in से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से संबंधित आदेश, नियम, परिपत्र तथा आवेदन पत्र डाउनलोड किये जा सकते है। IRCTC के महत्त्वपूर्ण नम्बर श्री राहुल होल्कर कार्यपालक (पर्यटन) मो.नं. 8287931729 श्री कृष्ण कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक मो.नं. 8287931607)।

11. यात्रा एवं आवेदन का कार्यक्रम:-

क्र	तीर्थ यात्रा का नाम	यात्रा प्रारंभ होने का स्टेशन	आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	संचालक, तीर्थ दर्शन एवं IRCTC को सूची उपलब्ध कराने की दिनांक	यात्रा प्रारंभ होने की दिनांक
1	रामेश्वरम	इंदौर	24.07.2023	26.07.2023	02.08.2023
2	द्वारका	सिवनी	24.07.2023	26.07.2023	02.08.2023
3	कामाख्या	मुरैना	27.07.2023	31.07.2023	07.08.2023
4	द्वारका	अनूपपुर	30.07.2023	03.08.2023	10.08.2023
5	काशी (वाराणसी)	इंदौर	30.07.2023	03.08.2023	10.08.2023
6	काशी (वाराणसी)	मुरैना	05.08.2023	09.08.2023	16.08.2023
7.	जगन्नाथपुरी	मेघनगर (जिला-झाबुआ)	05.08.2023	09.08.2023	16.08.2023
8.	काशी (वाराणसी)	बालाघाट	07.08.2023	11.08.2023	18.08.2023
9.	द्वारका	छतरपुर	10.08.2023	15.08.2023	22.08.2023
10.	अयोध्या	छिंदवाड़ा	13.08.2023	17.08.2023	24.08.2023
11.	हरिद्वार	उज्जैन	13.08.2023	17.08.2023	24.08.2023
12.	शिर्डी	उमरिया	20.08.2023	24.08.2023	31.08.2023
13.	अमृतसर	इंदौर	20.08.2023	24.08.2023	31.08.2023
14.	डॉ. अम्बेडकर जी की दीक्षाभूमि नागपुर	भिंड	21.08.2023	25.08.2023	01.09.2023
15.	जगन्नाथपुरी	रतलाम	25.08.2023	29.08.2023	05.09.2023
16.	कामाख्या	बुरहानपुर	26.08.2023	30.08.2023	06.09.2023
17.	रामेश्वरम	रीवा	27.08.2023	01.09.2023	08.09.2023
18.	काशी (वाराणसी)	शाजापुर	02.09.2023	06.09.2023	13.09.2023
19.	द्वारका	बैतूल	03.09.2023	07.09.2023	14.09.2023
20	रामेश्वरम	रानी कमलापति (भोपाल)	05.09.2023	09.09.2023	16.09.2023
21.	जगन्नाथपुरी	गुना	08.09.2023	12.09.2023	19.09.2023
22.	द्वारका	परासिया (जिला-छिंदवाड़ा)	11.09.2023	15.09.2023	22.09.2023
23.	कामाख्या	सराईग्राम (जिला - सिंगरौली)	13.09.2023	17.09.2023	24.09.2023
24.	जगन्नाथपुरी	रीवा	16.09.2023	20.09.2023	27.09.2023
25.	कामाख्या	परासिया (जिला-छिंदवाड़ा)	19.09.2023	23.09.2023	30.09.2023
26.	जगन्नाथपुरी	शिवपुरी	21.09.2023	25.09.2023	02.10.2023
27.	द्वारका	दमोह	24.09.2023	28.09.2023	05.10.2023
28.	रामेश्वरम	खंडवा	27.09.2023	01.10.2023	08.10.2023
29.	जगन्नाथपुरी	ब्यावरा राजगढ़	28.09.2023	03.10.2023	10.10.2023

12. यात्री ट्रेन के कार्यक्रम, स्टेशन, प्रस्थान/ आगमन, दिनांक एवं जिलों को आवंटित कोटा की जानकारी निम्न सारणी अनुसार है:-

क्र.	ट्रेन के प्रारंभ होने का स्थान तथा जिन स्टेशनों पर रुकेगी	प्रस्थान एवं आगमन की दिनांक	जिलों के नाम	आवंटित बर्थो की संख्या	अनुरक्षकों एवं सुरक्षाकर्मियों की संख्या
1	इंदौर-शुजालपुर-नर्मदापुरम -रामेश्वरम- नर्मदापुरम-शुजालपुर-इंदौर	02.08.2023 07.08.2023	इंदौर धार शाजापुर नर्मदापुरम	300 85 85 150	6+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 2 3
2	सिवनी-छिंदवाड़ा-बैतूल -द्वारका- बैतूल-छिंदवाड़ा-सिवनी	02.08.2023 07.08.2023	सिवनी बालाघाट छिंदवाड़ा बैतूल	150 92 150 150	3+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 3
3.	मुरैना-ग्वालियर-दतिया -कामाख्या- दतिया-ग्वालियर-मुरैना	07.08.2023 12.08.2023	मुरैना ग्वालियर दतिया	200 299 200	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 6 4
4.	अनूपपुर-शहडोल-उमरिया -द्वारका- उमरिया-शहडोल-अनूपपुर	10.08.2023 15.08.2023	अनूपपुर शहडोल उमरिया	192 200 150	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 3
5.	इंदौर-उज्जैन-विदिशा -काशी (वाराणसी)- विदिशा-उज्जैन-इंदौर	10.08.2023 13.08.2023	इंदौर बड़वानी उज्जैन विदिशा	300 70 150 100	6+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 2
6.	मुरैना-ग्वालियर-निवाड़ी -काशी (वाराणसी)- निवाड़ी-ग्वालियर-मुरैना	16.08.2023 19.08.2023	मुरैना ग्वालियर निवाड़ी	200 299 200	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 6 4
7	मेघनगर-उज्जैन-रानी कमलापति (भोपाल) -जगन्नाथपुरी- रानी कमलापति (भोपाल)-उज्जैन-मेघनगर	16.08.2023 21.08.2023	झाबुआ अलीराजपुर उज्जैन भोपाल	100 70 150 300	2+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 6
8.	बालाघाट-नैनपुर-जबलपुर -काशी (वाराणसी)- जबलपुर-नैनपुर-बालाघाट	18.08.2023 21.08.2023	बालाघाट सिवनी मंडला जबलपुर नरसिंहपुर	150 91 75 150 75	3+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 2 3 2
9.	छतरपुर-टीकमगढ़-विदिशा -द्वारका- विदिशा-टीकमगढ़-छतरपुर	22.08.2023 27.08.2023	छतरपुर टीकमगढ़ विदिशा	200 200 299	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 6
11.	उज्जैन-मंदसौर-नीमच -हरिद्वार- नीमच-मंदसौर-उज्जैन	24.08.2023 27.08.2023	उज्जैन देवास मंदसौर नीमच	200 69 175 175	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 4 4
12.	उमरिया-कटनी-जबलपुर -शिर्डी- जबलपुर-कटनी-उमरिया	31.08.2023 03.09.2023	उमरिया कटनी जबलपुर	150 150 242	3+5 (सुरक्षा) + (डॉक्टर+1) 3 5
13.	इंदौर-उज्जैन-शिवपुरी -अमृतसर- शिवपुरी-उज्जैन-इंदौर	31.08.2023 03.09.2023	इंदौर धार उज्जैन शिवपुरी	300 70 150 100	6+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 2
14.	भिंड-ग्वालियर-दतिया -(दीक्षाभूमि) नागपुर- दतिया-ग्वालियर-भिंड	01.09.2023 04.09.2023	भिंड ग्वालियर दतिया	200 299 200	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 6 4
15.	रतलाम-मंदसौर-नीमच -जगन्नाथपुरी- नीमच-मंदसौर-रतलाम	05.09.2023 10.09.2023	रतलाम मंदसौर नीमच	220 200 200	5+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 4
16.	बुरहानपुर-खंडवा-इटारसी -कामाख्या- इटारसी-खंडवा-बुरहानपुर	06.09.2023 11.09.2023	बुरहानपुर खंडवा खरगौन नर्मदापुरम	175 175 95 96	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 2 2
17.	रीवा-सतना-जबलपुर -रामेश्वरम- जबलपुर-सतना-रीवा	08.09.2023 13.09.2023	रीवा सीधी सतना पन्ना	200 74 200 74	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 4 2
19.	बैतूल-इटारसी-उज्जैन -द्वारका- उज्जैन-इटारसी-बैतूल	14.09.2023 19.09.2023	बैतूल नर्मदापुरम उज्जैन	200 142 200	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 3 4
20.	रानी कमलापति (भोपाल)-बुदनी-बैतूल -रामेश्वरम- बैतूल-बुदनी-रानी कमलापति	16.09.2023 21.09.2023	भोपाल रायसेन सीहोर बैतूल	300 99 150 150	6+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 3
21.	गुना-अशोकनगर-दमोह -जगन्नाथपुरी- दमोह-अशोकनगर-गुना	19.09.2023 24.09.2023	गुना अशोकनगर दमोह	220 200 200	5+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 4
22.	परासिया-रानी कमलापति (भोपाल)-सीहोर -द्वारका- सीहोर-रानी कमलापति-परासिया	22.09.2023 27.09.2023	छिंदवाड़ा भोपाल सीहोर	150 200 192	3+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 4
23.	सराईग्राम-कटनी-सतना -कामाख्या- सतना-कटनी-सराईग्राम	24.09.2023 29.09.2023	सिंगरौली सीधी कटनी सतना	150 149 200 200	3+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 3 4 4
24.	रीवा-सतना-जबलपुर -जगन्नाथपुरी- जबलपुर-सतना-रीवा	27.09.2023 02.10.2023	रीवा सतना जबलपुर डिंडोरी	175 175 175 94	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 4 2
25.	परासिया-रानी कमलापति (भोपाल)-विदिशा -कामाख्या- विदिशा-रानी कमलापति (भोपाल)-परासिया	30.09.2023 05.10.2023	छिन्दवाड़ा भोपाल रायसेन विदिशा	100 225 66 150	2+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 5 2 3
26.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
27.	दमोह-सागर-विदिशा -द्वारका- विदिशा-सागर-दमोह	05.10.2023 10.10.2023	दमोह सागर विदिशा	200 220 200	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 5 4
28.	खंडवा-हरदा-बैतूल -रामेश्वरम- बैतूल-हरदा-खंडवा	08.10.2023 13.10.2023	खंडवा खरगौन हरदा बैतूल	150 92 150 150	3+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 2 3 3
29.	ब्यावरा राजगढ़-शाजापुर-रानी कमलापति(भोपाल) -जगन्नाथपुरी- रानी कमलापति(भोपाल)-शाजापुर-ब्यावरा राजगढ़	10.10.2023 15.10.2023	राजगढ़ शाजापुर भोपाल	200 200 299	4+5 (सुरक्षा)+ (डॉक्टर+1) 4 6

13. निम्नानुसार जिन जिलों/ जिला मुख्यालयों में स्टेशन/ स्टॉपेज नहीं है, संबंधित जिला कलेक्टर तीर्थ यात्रियों को बोर्डिंग स्टेशन तक लाने एवं वापस ले जाने की व्यवस्था करेंगे।

क्रं.	तीर्थ यात्रा का नाम	यात्रा प्रारंभ होने की दिनांक	बोर्डिंग स्टेशन	यात्रा से संबंधित जिला
1	रामेश्वरम	02.08.2023	इंदौर शुजालपुर	धार शाजापुर
2	द्वारका	02.08.2023	सिवनी	बालाघाट
3	काशी (वाराणसी)	10.08.2023	इंदौर	बड़वानी
4	जगन्नाथपुरी	16.08.2023	मेघनगर	झाबुआ अलीराजपुर
5	काशी (वाराणसी)	18.08.2023	बालाघाट नैनपुर जबलपुर	सिवनी मंडला नरसिंहपुर
6	अयोध्या	24.08.2023	छिंदवाड़ा बुदनी	सिवनी सीहोर
6	हरिद्वार	24.08.2023	उज्जैन	देवास
8	अमृतसर	31.08.2023	इंदौर	धार
9	कामाख्या	06.09.2023	खंडवा इटारसी	खरगौन नर्मदापुरम
10	रामेश्वरम	08.09.2023	रीवा सतना	सीधी पन्ना
11	काशी (वाराणसी)	13.09.2023	शाजापुर ब्यावरा राजगढ़	आगर-मालवा राजगढ़
12	द्वारका	14.09.2023	इटारसी	नर्मदापुरम
13	रामेश्वरम	16.09.2023	रानी कमलापति(भोपाल) बुदनी	रायसेन सीहोर
14	द्वारका	22.09.2023	परासिया	छिंदवाड़ा
15	कामाख्या	24.09.2023	सरइग्राम	सिंगरौली सीधी
16	जगन्नाथपुरी	27.09.2023	जबलपुर	डिंडोरी
17	कामाख्या	30.09.2023	परासिया रानी कमलापति (भोपाल)	छिंदवाड़ा रायसेन
18	जगन्नाथपुरी	02.10.2023	शिवपुरी	श्योपुर
19	रामेश्वरम	08.10.2023	खंडवा	खरगौन
20	जगन्नाथपुरी	10.10.2023	ब्यावरा राजगढ़	राजगढ़

14. कृपया उपरोक्तानुसार कार्यवाही प्रारंभ कर तत्काल अवगत करावें।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(श्वेता पंवार)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग

हृदय की रक्षा कर जान बचाने का तरीका: आयोर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट

आयोर्टा शरीर की सबसे बड़ी आर्टरी होती है, जो हृदय से शरीर के विभिन्न हिस्सों में खून ले जाती है। आयोर्टा में रक्त का प्रवाह कम होने पर छाती में दर्द, साँस फूलने, थकान, टखने में सूजन, हृदय की धड़कन अनियमित और बेहोशी के लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं। आयोर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी (इसे हार्ट वॉल्व रिपेयर सर्जरी भी कहा जाता है) में आयोर्टा को रिपेयर कर उसमें रक्त का प्रवाह फिर से स्थापित किया जाता है। यह सर्जरी अनेक कारणों से की जाती है, जिनमें आयोर्टिक वॉल्व रोग, कैल्सिफिक आयोर्टिक स्टेनोसिस, कॉन्जेनिटल डिफेक्ट, और एक्वायर्ड आयोर्टिक वॉल्व डिज़ीज़ शामिल है। जब वॉल्व ठीक से काम नहीं कर पाता है, तो इस समस्या को आयोर्टिक स्टेनोसिस कहते हैं, यह रयूमेटिक समस्याओं या बढ़ती उम्र के कारण होता है, इसके अलावा संक्रमण, वॉल्व के खराब होने, हाइपरटेंशन, ट्यूमर, और हृदयाघात के कारण भी यह हो सकता है।

फॉरेस्ट असेंशियल्स की ओर से मॉनसून के खास प्रोडक्ट्स

मॉनसून अपने साथ उमस भरे दिन और त्वचा की कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में त्वचा से ज्यादा ऑयल बनने, हॉर्मोनों में बदलाव, दवाओं, आहार, ज्यादा तनाव और प्रदूषण की वजह से एक्ने, त्वचा के पोर्स बंद होना जैसी समस्या हो सकती हैं। त्वचा की इन्हीं ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए फॉरेस्ट असेंशियल्स ऐसे मल्टी-स्टैप प्रोडक्ट्स लेकर आए हैं, जो त्वचा में नईकोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देंगे; त्वचा की देखभाल के लिए बनाए गए ये खास प्रोडक्ट्स आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के गुणों से भरपूर हैं जो ऑयली त्वचा की समस्या को दूर कर त्वचा में निखार लाते हैं।

मप सरकार, जेएचपीआईईजीओ और वन साइट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउंडेशन ने आईकेयर सेवाओं का औपचारिक लॉन्च किया

मध्य प्रदेश, भारत- वन साइट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउंडेशन ने आज मध्य प्रदेश सरकार और जेएचपीआईईजीओ के साथ साझेदारी की घोषणा की है, जो आईमित्रा नेटवर्क के माध्यम से स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों में व्यापक नेत्र देखभाल (आईकेयर) सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

पहले से मौजूद इन स्वास्थ्यसेवा केन्द्रों में आईकेयर सेवाओं को शामिल करने से लोगों की दृष्टि दोष (नज़र कमज़ोर होना) जैसी समस्याओं को हल किया जा सकेगा। गौरतलब है कि देश भर में 550 मिलियन लोग दृष्टि दोष से पीड़ित हैं, जो देश की आबादी का 43 फीसदी से भी अधिक हिस्सा बनाते हैं। इसके चलते देश को सालाना रु 300,000 करोड़ की उत्पादकता का नुकसान होता है। अपने इन प्रयासों के माध्यम से फाउन्डेशन और इसके साझेदार दृष्टिदोष की समस्याओं को हल करेंगे तथा मध्य प्रदेश के सभी नागरिकों को नए अवसर उपलब्ध कराएंगे। वन साइट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन अपने साझेदारों के साथ मिलकर आई मित्रा नेटवर्क के ज़रिए उच्च गुणवत्ता की नेत्र देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराएगा। यह साझेदारी रेफरल सेंटरों के साथ मजबूत कनेक्शन बनाकर स्पेशलाइज़्ड नेत्र देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराएगी। अधिक से अधिक लोगों तक उच्च गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक समाधानों एवं तकनीकों की जांच की जाएगी, साथ ही टेली-रिफ्रेक्शन और टेली-ऑफ्थेल्मोलोजी जैसे पायलट परियोजनाओं पर भी काम किया जाएगा। यह साझेदारी सरकार की मौजूदा योजना 'आयुष्मान भारत' के तहत देश भर में 150,000 से अधिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों के नेटवर्क के ज़रिए व्यापक प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करेगी। उड़ीसा में इसी तरह की पहल की सफलता के बाद यह साझेदारी की गई है, जहां 73 आई मित्रा ने 196 स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों को सहयोग प्रदान किया, और 11,000 लोगों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। ''हमें खुशी है कि स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों की व्यापक प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं में नेत्र देखभाल सेवाओं को शामिल करने के लिए हमें मध्य प्रदेश सरकार को सहयोग प्रदान करने का अवसर मिला है।'' अनुराग हंस, हैड ऑफ एस्सिलोर लक्ज़ोटिका मिशन एवं प्रेज़ीडेन्ट, वन साइट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन ने कहा। ''हम जीएचपीआईजीओ और यूएसएआईडी जैसे साझेदारों के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने के लिए काम करेंगे, ताकि लोगों को उनकी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने में सक्षम बनाया जा सके। ''शुरुआती अवस्था में पहचान एवं हस्तक्षेप के द्वारा आंखों की परेशानियों को बिगड़ने से रोका जा सकता है। मध्य प्रदेश सरकार, झ्दृष्ठ, वन साइट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन के बीच इस साझेदारी के माध्यम से हम आईमित्रा नेत्र चिकित्सकों के ज़रिए स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों में प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाना चाहते हैं।'' मध्य प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी ने कहा।

शुभ सूचना | नेत्रदान महादान | खुश खबरी

भोपाल उत्सव मेला समिति भोपाल के सहयोग से
परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संचालित
''सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय'' द्वारा निर्धन नेत्र रोगियों के लिये
निःशुल्क नेत्र रोग निदान, मोतियाबिंद एवं ग्लुकोमा (काला मोतिया) ऑपरेशन शिविर
रविवार, दिनांक 23 जुलाई 2023
जाँच एवं भर्ती : रविवार, दिनांक 23 जुलाई 2023

सुविधाएं : जाँच, ऑपरेशन, लेंस प्रत्यारोपण, काला चश्मा, दवाईयां आवास, भोजन, फल की निःशुल्क व्यवस्था, ब्लड प्रेशर और डायबिडिज़ की मुफ्त जाँच और आत्मीयता पूर्वक सेवा की जायेगी।
समय : पूर्वान्ह 10 से दोपहर 2 बजे तक
स्थान : रेल्वे संस्थान भोपाल प्लेटफार्म नं. 1 के पास, जी.आर.पी थाने के सामने, भोपाल
ऑपरेशन स्थल : सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, शा. सिविल अस्पताल के पीछे संत हिरदाराम नगर, (बैरागढ़), भोपाल
परिचय पत्र : शिविर में नेत्र रोगों का उपचार कराने पर रोगी को आधार, वोटर आई.डी. कार्ड की फोटो कॉपी एवं मोबाई नं. देना अनिवार्य है।
अन्य विशेषताएं : आयुष्मान कार्ड धारक ग्लाकोमा (कांच बिन्दु) और डायबिटिक रेटिनोपैथी नेत्र रोगियों के बेहतर और भरोसेमंद इलाज की सुविधा भी सुलभ।

सम्पर्क सूत्र
मुख्य संयोजक : सुनील जैनाविन 9300473631
कैम्प संयोजक : प्रकाश खण्डेलवाल 9425014156 | रवि गगरानी 9826933971 | राज कुमार जौहरी 9303105645

नेत्र शिविर आयोजन समिति :- अनुपम अग्रवाल 9993205558, अजय सोगानी 7999938298 डॉ. योगेन्द्र मुखरैया 9425371667, डॉ. महेश गुप्ता 9425079341 सुमित गर्ग 9893243700, वीरेन्द्र जैन श्रीजी 9827276055, मोहन कुशवाह 9926350550, कमल जैन श्वेता 9826076057, प्रेम नाहर 9826024431, वासूदेव वाधवानी 7489745764, विमल भण्डारी 9827261700, एन. टी. खेमचंदानी, नारायणसिंह कुशवाह 9425079257, प्रदीप अग्रवाल गोल्डन 9827215102, श्याम मंगल 9755949350, ओ.पी. खुराना 8989717058

शिविर सहयोग कर्ता :- राजेश पाण्डेय सचिव रेल संस्थान भोपाल 9752416647, दीपक मालवीय, आलोक त्रिपाठी रवि चौबे, राजेश यादव, जितेन्द्र मालवीय संजय कटारे, आलोक शर्मा, अनिकेत गर्ग, कमलेश परिहार, जे.एन नियाजी, आर.के. शर्मा, दिनेश त्रिपाठी, प्रवीण अवस्थी, दीपक राय, मो असलम रहीम, अशोक सिन्हा

भोपाल उत्सव मेला समिति, 24-26 इनरकोर्ट, जी.टी.बी. कॉम्प्लेक्स, टी.टी. नगर भोपाल, फोन : 0755-2570639
विशेष नोट- शिविर स्थल पर नेत्रदान के फार्म भरे जायेंगे।
अगला शिविर :- 30 जुलाई 2023 सामुदायिक सिंधी पंचायत धर्मशाला, ईदगाह हिल्स में लगाया जाएगा।

मानव जीवन में पेड़ों का बहुत बड़ा योगदान है: विक्रम अहके

छिंदवाड़ा। मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि प्रकृति का संतुलन बना रहे, जिसके लिए हमें संकल्प लेना होगा कि इस धरती को हमेशा हरा भरा रखें। आज हरियाली अमावस्या के अवसर पर आइए हम सब संकल्प लें कि हमारे जीवन के हर छोटे- बड़े अवसर पर पौधरोपण करेंगे। उक्त उद्गार नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके जी ने वार्ड नंबर 40 संचार कॉलोनी में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में व्यक्त किए उन्होंने कहा की आज कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण हुआ है इस समय मैंने हमेशा कोशिश किया की जनता की समस्याओं का निराकरण करते रहूं अपने कार्यकाल में छिंदवाड़ा को स्वच्छता में राष्ट्रपति सम्मान, मास्टर प्लान लागू हुआ, ट्रांसपोर्ट नगर का काम जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दौरान महापौर श्री अहके और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों द्वारा पौधरोपण किया गया, वहीं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम सभापति तरुण कराड़े जी, नोनिया प्रभारी श्रीकांत जामटे जी, वार्ड अध्यक्ष शहबाज खान, वार्ड समन्वयक सलीम खान, युवा नेता गौरव चरपे सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक एवं युवा साथी शामिल हुए।

संकल्प सोसायटी ने पौधरोपण कर संरक्षण करने लिया संकल्प

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी छिन्दवाड़ा द्वारा जिला समन्वयक कुलदीप सिंह ठाकुर अमरवाड़ा विकासखंड समन्वयक सुश्री वंदना राकेसिया के मार्गदर्शन में आज हरियाली तीज के अवसर पर चंदनगांव में औषधीय एवम फलदार पौधों को लगाया एवं पौधे की देखरेख का जिम्मा स्थानीय निवासी शुभाष शुक्ला व लखन जी ने पौधे को संरक्षित करने का संकल्प लिया इस अवसर पर सेवा संकल्प के अध्यक्ष समाजसेवी चंद्रकांत विश्वकर्मा, संस्था सचिव संदीप अग्निहोत्री, मार्गदर्शक सुभाष शुक्ला, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष आराधना शुक्ला, उपाध्यक्ष भावना बनारसे, प्रवक्ता डा. डी एस चौरे, नगर विकास समिति अध्यक्ष नंदू निर्मलकर ने पौधरोपण कर पौधे की देखरेख की शपथ ली !

उपभोक्ताओं को गैस से सुरक्षा की जानकारी

गुढ़ीअम्बाड़ा। ओम लक्ष्मी एचपी गैस एजेंसी अंबाड़ा के द्वारा ग्राम पंचायत इकलेहरा में सेफ्टी क्लिनिक का आयोजन कर उपभोक्ताओं को गैस से सेफ्टी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई इस दौरान उपभोक्ताओं को गैस सुरक्षा संबंधित जानकारी जैसे व्हाट्सएप के माध्यम से गैस सिलेंडर की बुकिंग के तरीके, केवाईसी, मोबाइल नंबर अपडेट, डीबीसी, नया कनेक्शन 1906 नंबर की उपयोगिता के साथ ही साथ एलपीजी गैस के रिसाव की शिकायत व सुरक्षा की जानकारी दी गई एवं गैस? से सुरक्षा को लेकर सेफ्टी से संबंधित जानकारी बुक का किया गया वितरण। इस दौरान गैस एजेंसी के प्रतिनिधि के अलावा बड़ी संख्या में उपभोक्ता महिलाएं उपस्थित रहीं।

जनपद सभाकक्ष में पेसा एक्ट प्रशिक्षण

बिछुआ। जनपद पंचायत सभाकक्ष में पेशा एक्ट प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 50 ग्राम पंचायत के पेसा मोबिलाइज़र ग्राम सभा अध्यक्ष और शांति एवं विवाद निवारण समिति के सदस्य प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत पेसा एक्ट के जिला समन्वयक अधिकारी कमलेश टेकाम द्वारा पेसा नियम को समझाया गया। मध्यप्रदेश राजपत्र के अनुसार पेसा नियम के 14 अध्याय को बारीकी से समझाया गया। जिसमें गाँव के छोटे मामले को ग्राम सभा में ही निपटाने के लिए शासन ने ग्राम सभा को अधिकार दिया है। इसलिए छोटे मामले का निराकरण आपसी समझौते से ग्राम सभा में ही करें। अनुसूची क्षेत्र में जल जंगल जमीन के अधिकार पारंपरिक व्यवस्थाओं को बताया गया साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत नेशनल लोक अदालत के बारे में बताकर विधिक की जानकारी बताया गया। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से जनपद पंचायत बिछुआ सीईओ ममता कुलस्ते, थाना प्रभारी खेलचंद पटले, जनपद और पेसा ब्लॉक समन्वयक प्रदीप भलावी, पेसा बाबू मकरंद बारसे, उपस्थित रहें।

आशा रघुवंशी बनी डाक्टर

छिंदवाड़ा। श्रीरामसिंह रघुवंशी की नातिन व संदीप रघुवंशी व डॉ. सुजीत रघुवंशी की भांजी आशी रघुवंशी ने इन्दौर के एम.जी शासकीय मेडिकल कालेज से एम.बी.बी.एस की डिग्री प्रथम श्रेणी में पास कर ली, डॉ. आशी रघुवंशी ने अपने पालकों एवं समाज का नाम रोशन किया।

जैन मुनि की निर्मम हत्या के विरोध में सर्व जैन समाज 20 को सौंपेगा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। कर्नाटक बेलगावी जिले में चिकोड़ी तालुक में नंदी पर्वत पर स्थित जैन पर विराजमान जैन आचार्य पूज्य श्री 108 कामकुमार जी मुनिराज की दिनांक 05 जुलाई 2023 निर्मम हत्या कर हत्यारों ने मृत शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर बोर वैल में डाल दिये, जिससे संपूर्ण भारत ही नहीं विश्व के जैन समाज में दुख व रोष व्याप्त है।

स्कूल चलें हम अभियान

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आदिवासी विकासखंड के स्कूल देखे एवं बच्चों से की चर्चा

एकलव्य आवासीय विद्यालय तामिया की छात्राओं के साथ बैठकर किया भोजन

छिंदवाड़ा। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले सोमवार को छिंदवाड़ा जिले के आदिवासी विकासखंड तामिया के विभिन्न स्कूलों में पहुंचीं और विद्यार्थियों से संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। कलेक्टर श्रीमती पटले तामिया के पातालकोट क्षेत्र के भी स्कूल और कन्या व बालक आश्रम पहुंची एवं निरीक्षण करने के साथ ही विद्यार्थियों से संवाद कर नियमित अध्ययन के लिए उन्हें प्रेरित किया और उनसे फीडबैक भी लिए। उल्लेखनीय है कि स्कूल चलें हम अभियान का मुख्य कार्यक्रम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 17 जुलाई को सीएम राइज विद्यालय गुलाना जिला शाजापुर में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छिंदवाड़ा जिले के सभी शासकीय स्कूलों में भी देखा व सुना गया। जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों में पहुँचकर स्कूल चलें हम अभियान में सहभागिता की। शासकीय स्कूल लहगडुआ में कलेक्टर ने बच्चों के साथ बैठकर देखा लाइव-स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले सर्वप्रथम एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लहगडुआ पहुंची और स्कूल चलें हम अभियान का जिले में शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री के मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने भी बच्चों के साथ उनके समकक्ष बैठकर मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। स्थानीय कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्र-छात्राओं के मन में शिक्षा प्राप्त करने के प्रति रूचि पैदा करने एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और उनके साथ उपस्थित जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम व सहायक संचालक शिक्षा उमेश सातनकर, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र जे.के.इरपाचे व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी दिनेश शुक्ला, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष, ग्राम के सरपंच एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा भी छात्र- छात्राओं का पुष्प गुच्छ एवं पुष्प हार से स्वागत कर निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया।

इस दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लहगडुआ से राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट परीक्षा 2022-23 में चयनित विद्यार्थियों कु.स्वीटी धुर्वे, कु. अफरोद इरपाची, उमेन्द्र परतेती व आदित्य परतेती का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाए प्रेषित की। इस संस्था का सत्र 2022-23 का बोर्ड परीक्षा का कक्षा 10वीं का परिणाम 79.48 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परिणाम 90.38 प्रतिशत रहा है एवं तीन छात्र लैपटाप व दो छात्राएं द्वारा ई-स्कूटी के लिए पात्र हुए हैं, जिन्हें भी कलेक्टर द्वारा शुभकांमनाए दी गईं। ग्राम साजकुही के शासकीय स्कूल भी पहुंची कलेक्टर- स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती पटले विकासखंड तामिया के ग्राम साजकुही के एकीकृत शासकीय हाई स्कूल भी पहुंची और विभिन्न कक्षाओं व मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से पुस्तक वितरण की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनका उत्साह भी बढ़ाया।

एसडीएम वैशाली , तहसीलदार छवि ने स्कूलों में कराया अध्यापन कार्य

अमरवाड़ा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सकारात्मक सोच को मूर्त रूप प्रदान करते हुए 17 से 19 जुलाई त्रिदिवसीय स्कूल चलें हम अभियान की शुरुआत पूरे मध्यप्रदेश में की गई। इसी तर्ज में आज अमरवाड़ा के 223 स्कूलों में 556 वॉलिंटियर्स नियुक्त किए गए जिनमें जनप्रतिनिधि से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी वॉलिंटियर्स के रूप में विभिन्न स्कूलों में पहुँचकर एक शिक्षक की भांति अध्यापन कार्य कराया एवम विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व)सुश्री वैशाली जैन ने कन्या हायर सेकंडरी स्कूल में कक्षा नवमी की छात्राओं को गणित विषय का अध्यापन कराया तो वहीं तहसीलदार छवि पंत ने मॉडल स्कूल में 10वी एवम 12 वी के बच्चों के समक्ष प्रेरक उद्बोधन दिया। नायब तहसीलदार सौरभ मरावी, बी आर सी विनोद वर्मा एवम बी ई ओ एन पी परतेती ने भी अन्य शालाओं में अध्यापन कराया। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति नितिन तिवारी ने शहर के विभिन स्कूलों में उपस्थित होकर उपलब्ध तथा आवश्यक संसाधनों के सम्बंध में संस्था प्रमुखों से चर्चा की।

अवैध निर्माण को तोड़ने एवं दंडात्मक कार्यवाही करने मांग की

छिंदवाड़ा। यातायात थाने के सामने लगभग 100 वर्ष पुराना शिव मंदिर और महाकाली मंदिर स्थित है जिसके आसपास हिन्दू धर्म को मानने वाले लोग निवास करते है और वर्षो से इन मंदिरों में सेवा कर समय-समय पर धार्मिक आयोजन भी किए जाते है, अभी दो दिन पूर्व रातोंरात एक समुदाय विशेष के लोगों द्वारा यातायात सिग्नल से लगाकर सरकारी भूमि पर अवैध रूप से एक धार्मिक चिन्ह को लगाया गया और फव्वारा निर्माण के नाम पर हमारे धार्मिक स्थलों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे हिन्दू समाज के लोग बड़े आहत है। प्रतिवर्ष इसी सावन के महिने में बड़ी संख्या में माताएं बहनें शिव मंदिर में पूजन अभिषेक इत्यादि के लिए आती है, नवरात्रि के पर्व में माता महाकाली के भव्य उत्सव का आयोजन यहां किया जाता है, रामनवमी, महाशिवरात्रि और हनुमान जयंती पर्व भी यहां भव्य आयोजन किए जाते है इस अवैध निर्माण हो जाने पर आने वाले समय में साम्प्रदायिक सौहाद्र बिगड़ने की संभावना हमैशा बनी रहेगी। नगर निगम छिंदवाड़ा के पूर्व परिषद द्वारा इस यातायात चौराहे पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा स्थापित करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया था। यहां के क्षेत्रवासियों ने आयुक्त नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा एवं पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन दिया और कहा कि हमारे शहर की शांति बनी रहे और भविष्य में किसी प्रकार के साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति निर्मित न हो इसे देखते हुए उक्त किए गए अवैध निर्माण कार्य को तत्काल हटाते हुए निर्माण कार्य कराने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए पूर्व परिषद की मंशानुरूप पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य प्रतिमा इस चौराहे पर स्थापित किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों के साथ नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, भाजपा जिला महामंत्री टीकाराम चन्द्रवंशी, अंकुर शुक्ला, रोहित पोफली, विक्रम शक्रवार, भरत घई, ओम चौरसिया, राजकुमार बघेल, माईकल राकेश पहाड़े, प्रतीक दामोदर, अंकित जैन, पीयूष बत्रा, राजा विरहा, मोना पटेल, कृपाशंकर सूर्यवंशी, अशोक बिंझाड़े, प्रमोद चौरसिया, निखिल चौरसिया एवं अन्य क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

दामाद ने रची थी सास के घर चोरी की साजिश

पुलिस ने किया चोरी का खुलासा दामाद सहित 03 आरोपी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। विगत दिनों ग्राम खुनाझिरकला में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रार्थी का दामाद है जोकि कैंसर की बीमारी से ग्रसित है पैसों की आवश्यकता के चलते गैंग बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि मोहखेड चौकी उमरानाला अन्तर्गत कुसुमबाई दादे पति बाबूरावजी दाढे उम्र 50 साल निवासी ग्राम खुनाझिरकला ने पुलिस चौकी उमरानाला उपस्थित आ रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 15/07/2023 को वह घर पर अकेली थी, उसके पति रिसतेदारी में रीवा गये हुये थे। दोपहर करीबन 12:00 बजे प्रार्थिया घर में ताला लगाकर, बैंक के काम से चंदनगांव गई थी। दोपहर करीबन 01.30 बजे घर वापिस आकर देखी तो घर का लोहे का सटर गेट खुला हुआ था एवं अंदर के दरबाजे में लगा ताला कटा हुआ पड़ा था घर के अंदर दिवान खुली हुई समान बिखरा पड़ा था। बीच वाले कमरे में अंदर रखी दोनो आलमरियां खुली हुई एवं समान बिखरा फर्स पर पड़ा था। आलमारी के अंदर लॉकर में सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी करीब 51000/- रूपये कुल रूपये करीब 4,40,000 रूपये की किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिये गये प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना मोहखेड जिला छिन्दवाडा में अपराध क्रमांक 366/2023 धारा -454,380 ता0हि0 का अज्ञात आरोपी के खिलाफ का कायम कर विवेचना पर लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय छिन्दवाडा द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी एवं चोरी गये मशरूका की बरामदगी हेतु लगातार की गई कड़ी मेहनत, सायबर टीम व मुखबिर तंत्र की सहायता से सघन तलाश व पतासाजी के क्रम में साक्ष्यों के आधार पर आरोपी (1) दुर्गेश पिता देवाराम सनरकार उम्र 27 साल ग्राम मुरमारी थाना मोहखेड जिला छिन्दवाडा (2) अजय पिता रामकुमार उड़के उम्र 23 साल ग्राम केरिया थाना चौरई जिला छिन्दवाडा (3) मुकेश पिता गजानंद ठाकरे उम्र 35 साल निवासी वार्ड क्रमांक 33 कोलाढाना थाना कोतवाली जिला छिन्दवाडा एवं (4) विधि का उल्लंघनकर्ता बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। अनुसंधान एवं साक्ष्यों के आधार पर पकड़े गये संदेहियों से सूक्ष्मता एवं कड़ाई से पूछताछ करने पर उक्त सभी आरोपियों ने घटना दिनांक समय स्थान को घर का ताला टाईल्स काटने की मशीन से काटकर घर में घुसकर गोदरेज आलमारी एवं दिवान में रखे सोने चाँदी के जेवरात एवं नगदी 51,000/- चोरी करना बताये । आरोपीयान (1) दुर्गेश पिता देवाराम सनरकार उम्र 27 साल ग्राम मुरमारी थाना मोहखेड जिला छिन्दवाडा के पास सोने चाँदी के जेवर एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल तथा (2)आरोपी अजय पिता रामकुमार उड़के उम्र 23 साल ग्राम केरिया थाना चौरई जिला छिन्दवाडा जिसने आरोपी दुर्गेश को अपने घर पर छिपाने का जुर्म किया जिससे चोरी का मशरूका 6300/- रूपये, (3) आरोपी प्रार्थिया का दमाद मुकेश पिता गजानंद ठाकरे उम्र 35 साल निवासी वार्ड क्रमांक 33 कोलाढाना थाना कोतवाली जिला छिन्दवाडा के चोरी के सोने-चाँदी के जेवरात एवं नगदी राशि 42,000/- (4) विधि का उल्लंघनकर्ता बालक के पास से घटना में प्रयुक्त टाईल्स काटने का कटर एवं नगदी 2170/- रूपये मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त करने में सफलता प्राप्त हुई है। अनुसंधान दौरान प्रकरण में आये साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर धारा 212.411 ताहि का ईजाफा किया गया है।

पुलिस टीम को 5 हजार नगद ईनाम दिया

थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल घासले, चौकी प्रभारी उप निरीक्षक एकता सोनी, सउनि अरविन्द्र बघेल सउनि सुरेन्द्रप्रताप यादव, सउनि संजय ठाकुर, व0आर0 793 रामकिशोर, आर0 56 भगवत, आर0 720 अमित आर0 07 आदित्य, आर0 1111 रोहित, आर0 365 संजय, आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को 5 हजार नगद ईनाम दिया।

भाजपा से प्रभावित होकर लोगों ने ली सदस्यता

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार एवं प्रदेश की शिवराज सरकार की जनहितैषी योजनाओ से प्रभावित होकर और भाजपा की जनहितैषी रीतिनीत से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के लोगों ने भाजपा जिलाध्यक्ष के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता दिलाई। भाजपा जिलाध्यक्ष साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा घोषणा की गई कि अब राज्य के कर्मचारियों को केंद्र के समान 42 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जावेगा जो जनवरी माह से ही दिया जाएगा, साथ ही जनवरी से जून 2023 तक महंगाई भत्ते का एर्रियर भी 3 समान किस्तों में दिया जावेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा राज्य के लाखों कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए की गई घोषणा पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राज्य के कर्मचारियों को केंद्र के समान भत्ते दिए जाने की घोषणा की जाना उनकी सहृदयता को प्रदर्शित करता है, उनकी इस सहृदयी घोषणा के लिए मैं सम्पूर्ण जिले के भाजपा कार्यकर्ता के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करता हूं।

पुलिस ने की 1 पेटी देशी शराब जब्त

टाटा सुमो से हो रही थी शराब तस्करी

परासिया। मुखबिर की सूचना पर न्यूटन पुलिस ने शनिवार रात करीब 12.30 न्यूटन नंबर 11 पिट के समय एक टाटा सुमो को रोका और उसकी तलाशी ली । जिसमें पुलिस को 1 पेटी देशी शराब अवैध रूप से रखी मिली । पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है । पुलिस को सूचना मिली थी , कि टाटा सुमो वाहन क्रमांक एमपी 22 बीए 0764 से भमोड़ी स्थित शराब दुकान से शराब भरकर न्यूटन लाई जा रही है । जिस पर पुलिस ने तत्काल हरकत करते हुए वाहन को रोक लिया और उसमें से शराब जब्त की । वाहन ताहिर खान उर्फ बाबा चला रहा था । गौरतलब है कि यह वाहन शराब ठेकेदार सचिन ताम्रकार द्वारा अपने शराब ठेका क्षेत्रों में आबकारी के रूप में चलाई जाती है । न्यूटन में उक्त ठेकेदार का शराब ठेका रहने के दौरान इसी वाहन से ठेकेदार के कर्मचारी ठेका क्षेत्र का दौरा करते थे और अवैध रूप से बिकने वाली शराब की सूचना पुलिस को देते थे , ताकि ठेकेदार को अवैध शराब विक्रय से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके । अब चूंकि उक्त ठेकेदार का ठेका न्यूटन में नहीं है बल्कि भमोड़ी और रावनवाड़ा - शिवपुरी क्षेत्र में ठेका है । जहां इसी वाहन से ठेकेदार के लोग उनके ठेका क्षेत्र सीमाओं में गश्त करते हैं । अब इसी वाहन को अवैध रूप से शराब तस्करी के रूप में भी उपयोग किया जा रहा है । इसका खुलासा पुलिस द्वारा वाहन पकड़े जाने के बाद स्वतः ही हो गया है ।

विभिन्न निर्माण कार्यों का हुआ भूमि पूजन

परासिया। जनपद पंचायत परासिया के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरा जेठू में 6 लाख की लागत से पुलिया निर्माण ग्राम पंचायत खिरसाडोह में 12 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण एवं 1 लाख 50 हजार की लागत सांसद निधि से रंगमंच का निर्माण एवं ग्राम पंचायत ढाला मे 5 लाख की लागत से नाली निर्माण का भूमि पूजन परासिया विधायक सोहन बाल्मीक परासिया जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा अशोक आम्रवंशी परासिया जनपद उपाध्यक्ष जमील खान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र विश्वकर्मा जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूनम किशोर उइके क्षेत्रीय जनपद सदस्य सुनील अहके जनपद सदस्य रामशिला उइके जनपद सदस्य देवी चन्द्रवंशी ग्राम पंचायत खमरा के सरपंच प्रकाश नवरेती ग्राम पंचायत ढाला सरपंच उप सरपंच सुनेत कहार ढालासहित ग्रामवासियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।

आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों को शिक्षक विहीन कर उनके बच्चों को शिक्षा से वंचित किया: वासुदेव शर्मा

तबादले पर आरोप

छिंदवाड़ा। दूरदराज के आदिवासी इलाकों के स्कूलों में गरीब बच्चों को शिक्षा देकर योग्य बना रहे शिक्षक भाजपा अध्यक्ष विवेक बंटी साहू की ओछी राजनीति के शिकार हुए हैं। ट्रायबल विभाग के 70 से अधिक शिक्षकों के तबादले सिर्फ इसलिए करा दिए गए कि वे पुरानी पेंशन बहाली जैसे मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मिलते रहे, यही बात भाजपा अध्यक्ष को नागवार गुजरी और चुन चुन कर उन शिक्षकों के तबादले करा दिए, जो कांग्रेस नेताओं के करीबी रहे हैं। आउटसोर्स कर्मचारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने भाजपा अध्यक्ष को ओछी राजनीति से वाज आने की सलाह देते हुए कहा कि आपकी राजनीतिक लडाई कांग्रेस से है, उनके नेताओं से लडिए, शिक्षकों से लडकर कुछ नहीं मिलेगा, उल्टे विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों को भारी नुकसान उठाना पडेगा। शिक्षकों के तबादले कराकर भाजपा अध्यक्ष ने आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों को शिक्षक विहीन कर गरीब आदिवासी बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का काम किया है। शर्मा ने कलेक्टर से ट्रायबल विभाग की ट्रांसफर सूची पर तत्काल रोक लगाने की मांग की हैं, इस संबंध में 23 जुलाई को ट्रांसफर के शिकार शिक्षक कमलनाथ से भी मिलेंगे। कर्मचारी नेता वासुदेव शर्मा ने शिक्षकों के तबादलों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों से आप किस हद तक नफरत करते हैं यह इससे स्पष्ट हो जाता है कि आपने जुन्नारदेव, तामिया, हर्रई ब्लाकों के बिकलांग, बीमार महिला शिक्षकों को भी नहीं छोडा, उनके तबादले कराकर परिवार से दूर कर दिया। शर्मा ने कहा आपकी ओछी राजनीति का शिकार हुए शिक्षक ही आपकी राजनीति के अंत की इबारत लिखेंगे, यह बात आप समझ लीजिए।भाजपा अध्यक्ष को सलाह देते हुए वासुदेव शर्मा ने कहा कि शिक्षा विभाग के 300 से अधिक शिक्षकों के तबादले की जो सूची आपने भेजी है, उसे रुकवा दीजिए, यदि शिक्षा विभाग में बदले की राजनीति से तबादले कराए गए, तब आपको भी यह शिक्षक चैन से नहीं सोने देंगे। शर्मा ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष को शिक्षक (अध्यापकों) के संघर्ष का इतिहास जान लेना चाहिए, वे न तो किसी के सामने गिडगिडाते हैं और न ही डरते हैं, यदि वे अपनी पर आ गए तो आपको जरूर राजनीति से हमेशा हमेशा के लिए विदा कर देंगे।

धर्मेंद्र तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

मध्यप्रदेश मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव संघ छिंदवाड़ा (म.प्र.) की कार्यकारिणी का गठन

छिंदवाड़ा। भारतीय मजदूर संघ से मान्यता प्राप्त संगठन मध्यप्रदेश मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव संघ छिंदवाड़ाा इकाई का गठन किया गया । जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक पद हेतु रंजीत मिश्रा, नरेश सदाफल एवं गिरीश बारसकर का मनोनयन किया गया एवं अध्यक्ष पद लगातार तीसरी बार धर्मेन्द्र साहू अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से निर्वाचित हुये, सचिव पद हेतु अजय पांडे एवं कोषाध्यक्ष हेतु कुंदन सिंग, उपाध्यक्ष पद हेतु शिव बेलवंशी, विखिल कस्तूरे, मनोज द्विवेदी, आशीष मालवी, सहसचिव पद हेतु धनंजय बुनकर, प्रदीप मिश्रा, प्रवक्ता हेतु शिशिर सोनी, नंदू निर्मलकर, कार्यकारिणी सदस्य विद्या शंकर मल्होत्रा, संजय साहू, हरीश राव, सुधीर पटेल, सुनील साहू, संजय विश्वकर्मा, सजल जैन, राकेन्द्र जैन, दिगंबर देशमुख, हरीश विश्वकर्मा और कार्यालय प्रभारी विवेक साहू, आशीष पांडे की नियुक्ति की गई । इस अवसर पर मुख्य रूप से पंकज ताम्रकार, नीरज दुबे, इन्द्रजीत भावरकर, सच्चिदानंद शर्मा, इन्द्रजीत भावरकर (मोनू), नितेश तिवारी, संतोष माहोरे, पवन यादव, रजनीश शुक्ला, रिशिकांत साहू, संजय कनेरे, शैलेन्द्र जैन, अभिषेक श्रीवास्तव, अभिषेक शर्मा, दीपक ठाकुर, अखिलेश मिश्रा, कपिल पाण्डेय, शिवपाल ठाकुर, अशोक खापरे, नीरज राय उपस्थित थे ।

जिला महिला कांग्रेस ने गृहमंत्री का पुतला फूंका

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के स्वयंभू मामा शिवराज सिंह चौहान की नीतियों से समाज का हर वर्ग पहले से ही त्रस्त है, अब उनके नेताओं और नेता पुत्रों से मातायें, बहनें व बेटियों की आबरू व जान असुरक्षित है। एक ओर शिवराज सिंह चौहान पूरे प्रदेश में लाड़ली बहना का ढिंढोरा पीट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके नेता और नेताओं के कुपुत्रों द्वारा बहन व बेटियों का दैहिक शोषण किया जा रहा है, यही इनका असली, चाल, चरित्र व चेहरा है। पहले बहन, बेटियों और माताओं पर अत्याचार करो फिर लाड़ली बहना योजना लागू कर बहन, बेटियों और उनके माध्यम से भाइयों को वोट के लिये साधो, भाजपा नेताओं के मन मस्तिष्क में कभी नारी शक्ति के लिये सम्मान नहीं रहा। भाजपा नारी शक्ति को केवल एक वोट बैंक मानती है। भाजपा नेताओं के द्वारा नारी शक्ति पर किये जा रहे अत्याचार, दैहिक शोषण व दुष्कर्म के खिलाफ जिला महिला कांग्रेस ने आज शहर में रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।मध्यप्रदेश के दतिया जिले के भांडेर में एक मासूम बेटी के साथ भाजपा नेता के बेटे और उनके दोस्तों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और एक बेटी के साथ छेड़छाड़ जैसे जघन्य अपराध को घटित कर प्रदेश को एक बार फिर सम्पूर्ण देश में शर्मसार कर दिया है। दुष्कर्म से आहत बेटी ने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठया है और वह मौत से जूझ रही है। विगत 19 वर्षो से सत्ताशीन भाजपा के नेताओं का अहंकार इस कदर बढ़ गया है कि वे अपने आपको कानून से भी उपर मान रहे हैं। पुलिस और प्रशासन को अपने इशारों पर चलाने वाले नेताओं के असामाजिक कुपुत्रों की बुरी निगाह अब प्रदेश की बेटियों पर भी पड़ने लगी है। भाजपा नेताओं और उनके परिवार से जुड़े सदस्यों के द्वारा देश, प्रदेश व जिले में निरंतर बेटियों पर अत्याचार किया जा रहा है। महामहिम को प्रस्तुत ज्ञापन में जिला महिला कांग्रेस ने मांग की है कि- सामूहिक दुष्कर्म के समस्त आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर फांसी की सजा दी जावे, ताकि भविष्य में कोई भी हमारी बहन, बेटियों के शोषण की बात तो दूर उनकी ओर गलत निगाह उठाकर भी ना देख सके। दतिया जिले के भांडेर में भाजपा के मंडल अध्यक्ष भज्जू राय के बेटे और उसके तीन दोस्तों ने मिलकर स्कूल से लौट रही दो सगी बहनों का अपहरण कर उनके एक के साथ सामूहिक दुष्कर्म व दूसरी बेटी के साथ छेड़छाड़ की।

वाहन चालक हो रहे दुर्घटना के शिकार

छिंदवाड़ा। नोनिया करबल साईं मंदिर के पास नीचे कॉलोनी में कीचड़ ही कीचड़ , सड़कें कीचड़ से लबालब, दोपहिया यहां तक कि चोपहिया वाहन भी हो रहे दुर्घटना का शिकार,, पैदल चलना हुआ मुश्किल, इतनी भयानक स्थिति से गुजर रहे साईं मंदिर नोनिया करबल क्षेत्र के रहवासी, क्षेत्र के सम्मानीय शिक्षित समझदार नागरिकों द्वारा अनेक बार कीचड़ से सनी सड़कों के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया। लेकिन विगत अनेक वर्षों से इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया है। कच्ची सड़कों में कीचड़ के कारण पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। यहां कीचड़ में फंस रहे हैं अनेक लोग एवम दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं,, काली चिकनी मिट्टी में फिसल कर लोग अपनी टांगे तुड़वाने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

सुनी सुनाई

केन्द्रीय मंत्रिमंडल से वीरेन्द्र सिंह की छुट्टी के संकेत!

रवीन्द्र जैन

लगातार ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि मप्र भाजपा के वरिष्ठ सांसद और केन्द्रीय सामाजिक न्याय मंत्री वीरेन्द्र सिंह की मंत्रिमंडल से छुट्टी हो सकती है। वीरेन्द्र सिंह दलित वर्ग के नेता हैं। वे पहले सागर और अब टीकमगढ से भाजपा सांसद हैं। दलित और

वरिष्ठ होने के कारण उन्हें मोदी मंत्रिमंडल में स्थान मिला था, लेकिन केन्द्रीय मंत्री के रूप में वे कुछ खास नहीं कर पाए। पिछले दिनों भोपाल में अमित शाह ने पार्टी की बैठक में मप्र के सभी केन्द्रीय मंत्रियों को बुलाया, लेकिन वीरेन्द्र सिंह को बुलावा नहीं भेजा गया। इसी बीच वीरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक तीखा पत्र लिखकर वायरल कर दिया जिसमें 2013 से 2018 के बीच की गई घोषणाओं को पूरा करने की मांग की। इससे भी संदेश गया की वीरेन्द्र सिंह राज्य सरकार और शिवराज सिंह चौहान से नाराज हैं। वीरेन्द्र सिंह की पटरी टीकमगढ के भाजपा राकेश गिरी से भी नहीं बैठ रही। मप्र भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारी से जिस तरह वीरेन्द्र सिंह को दूर रखा है। उससे अटकलें शुरु हो गई हैं कि उनकी मंत्रिमंडल से छुट्टी होने वाली है। जबकि वीरेन्द्र सिंह के अलावा मप्र कोटे के चार केन्द्रीय मंत्रियों को चुनाव की तैयारी में लगाया गया है।

विभाग के सप्लायर ने आईपीएस को बनाया जीजा!

मप्र पुलिस महकमे में एक जीजा-साले की जोड़ी खूब चर्चा में है। उप्र के रहने वाले एक तेजतर्रार सप्लायर ने पुलिस महकमे को उपकरण सप्लाई करने के लिए एक आईपीएस को अपना जीजा बना लिया है। जीजा साले का रिश्ता बनते ही सप्लायर विभाग में जमकर चांदी काट रहा है। इस सप्लायर ने पुलिस विभाग को कुछ संवेदनशील वाहन सप्लाई किये थे। इन वाहनों का मेंटीनेंस नहीं किया तो वे सब कबाड़ हो गये। तत्कालीन डीजीपी ने इस सप्लायर को एक वर्ष के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया था। एक वर्ष होते ही सप्लायर पुलिस विभाग में फिर सक्रिय हो गया। आईपीएस को जीजा बनाते ही उसे विभाग के करोड़ों के काम मिल गये हैं। आईपीएस अफसर रिटायरमेंट के पहले इस साले के जरिए बुढ़ापे की व्यवस्था में लग गये हैं। मजेदार बात यह भी है कि इस सप्लायर ने राजधानी भोपाल में मप्र के वरिष्ठ अफसरों की अवैध कॉलोनी में बेहद शानदार महलनुमा बंगला बनाया है। जहां अफसरों की पार्टियां होती हैं।

ग्वालियर महल की राजनीति का नया रूप!

इस सप्ताह ग्वालियर महल की राजनीति का नया रूप देखने मिला। लंबे समय से माधवराव सिंधिया और ज्योतिरादित्य सिंधिया का विरोध करने वाले भाजपा नेता जयभान सिंह पवैया और प्रभात झा को बेहद सम्मान के साथ महल में आमंत्रित किया गया और उन्हें राष्ट्रपति के साथ भोजन की टेबल पर बिठाया गया था। जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया की सगी बुआ मप्र की वरिष्ठ मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया इस दौरान दूर दूर तक नजर नहीं आईं। यहां बता दें कि जयभान सिंह पवैया की पूरी राजनीति महल के विरोध पर टिकी हुई है। जबकि प्रभात झा तीन वर्ष पहले तक सिंधिया को सबसे बड़ा भू-माफिया कहकर संबोधित करते थे। राष्ट्रपति से पहले अमित शाह महल में आए थे तब यशोधरा राजे सिंधिया मौजूद थीं। लेकिन राष्ट्रपति के महल आगमन पर उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया।

दलबदल करने वाले सबसे बुजुर्ग नेता

मप्र के पूर्व मंत्री अखंड प्रताप सिंह को दलबदल करने वाले सबसे बुजुर्ग नेता के साथ साथ मप्र की राजनीति में सबसे अधिक दलबदल करने वाले नेता का खिताब भी दिया जा

सकता है। लगभग 85 वर्ष के बुंदेलखण्डी अखंड प्रताप सिंह ने पिछले दिनों भाजपा का दामन छोड़कर आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली है। उनकी मूल विचारधारा किसी को नहीं पता। वे कांग्रेस सरकार में दिग्विजय केबिनेट में मंत्री रहे। कांग्रेस से नाराज हुए तो बहुजन समाज पार्टी में चले गये। वहां पटरी नहीं बैठी तो भाजपा में आ गये। पिछले उपचुनाव में पृथ्वीपुर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े। बुरी तरह हारे तो भाजपा में वापस चले गये। अब आम आदमी पार्टी के साथ हैं। यहां बता दें कि अखंड प्रताप सिंह के एक बेटे मप्र विधानसभा में प्रमुख सचिव हैं। दूसरे बेटे टीकमगढ भाजपा के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। दूसरे बेटे भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं, लेकिन बुरी तरह हार गए थे।

कमलनाथ-बागेश्वर महाराज की जुगलबंदी

आखिर देश के सबसे चर्चित कथावाचक और सनातन धर्म की ध्वजा लेकर चलने वाले बागेश्वर महाराज यानि पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बनवाये हनुमान मंदिर पर तीन दिन की कथा करने की तारीख दे दी है। बागेश्वर महाराज 5 से 7 अगस्त तक छिंदवाड़ा में कमलनाथ के मेहमान होंगे। इससे राजनीतिक खुसर फुसर शुरु हो गई है। दरअसल बागेश्वर महाराज आजकल खुलकर भारत को हिन्दु राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। यह मुद्दा कांग्रेस की विचारधारा से मेल नहीं खाता। छिंदवाड़ा में बागेश्वर महाराज के लिए मंच कमलनाथ सजाएंगे और तीन दिन वहां रहेंगे भी। यदि कथा के दौरान बागेश्वर महाराज भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं तो कहीं ऐसा न हो कि कमलनाथ का नुकसान हो जाए। फिलहाल कमलनाथ ने साफ्ट हिन्दुत्व की लाईन पकड़ रखी है।

हंगामे वाले ट्वीट की सच्चाई!

इस सप्ताह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की पत्नी श्रुति मिश्रा के एक ट्वीट ने राजनीति में हडकंप मचा दिया। उन्होंने सिर्फ एक शब्द लिखा था - उल्टी गिनती शुरु। उनके इस ट्वीट के कई अर्थ लगाये जाने लगे। भाजपाई इसके मायने तलाश रहे थे। कांग्रेसियों ने इस ट्वीट को भाजपा की अंदरूनी राजनीति से जोड़कर बयानबाजी शुरु की। हमने इस ट्वीट की सच्चाई का पता लगाया तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। दरअसल श्रुति मिश्रा लंबे समय से सपरिवार तिरुपति बालाजी दर्शन करने जाना चाहती थीं, लेकिन वीडी शर्मा व्यस्तता के कारण समय नहीं निकाल पा रहे थे। इस सप्ताह उन्होंने अपनी बिटिया का दूसरा जन्मदिन तिरुपति में मनाने का फैसला किया। तिरुपति जाने की तैयारी करते हुए यात्रा शुरु होने से एक दिन पहले श्रुति मिश्रा ने यात्रा की उल्टी गिनती शुरु के स्थान पर सिर्फ उल्टी गिनती शुरु ट्वीट कर दिया।

और अंत में...!

भोपाल में रहने वाले रिटायर आईएएस आईपीएस अफसरों का एक समूह राज्य सरकार के खिलाफ धीरे धीरे मुखर होता जा रहा है। अभी तक यह अफसर सोशल मीडिया के जरिये सरकार की नीतियों पर हमले करते रहे हैं। लेकिन इस सप्ताह इन अफसरों को सरकार के खिलाफ सड़क पर देखा गया। सीधी के पेशाब कांड के खिलाफ इन अफसरों ने सिविल सोसाइटी के बैनर तले प्रदर्शन किया। खबर आ रही है कि मप्र में जैसे जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं इन अफसरों की सक्रियता भी बढ़ने लगी है। पर्दे के पीछे रहकर यह अफसर राज्य सरकार के खिलाफ विपक्ष को धारदार मुद्दे भी दे रहे हैं। कुछ अफसर खुलकर कांग्रेस का काम कर रहे हैं। कुछ गुपचुप तरीके से कांग्रेस की चुनावी रणनीति बनाने में मदद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल ,करंज और महुआ के पौधे रोपे।

श्रावण सोमवार को हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में स्फटिक शिवलिंग का अभिषेक एवं पूजन अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला संगठन की एग्जीक्यूटिव बॉडी के द्वारा कराया गया। मंदिर में ही शिव महात्म्य पर सभी बहनों ने बैठक कर विशेष चर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती संगीता पलोड़ ने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना कैसे हुई इस विषय पर प्रकाश डाला, साथ ही उपाध्यक्ष सुवर्णा ने काल भैरव की स्थापना कैसे हुई यह बताया, कोषाध्यक्ष निशा विजयवर्गीय वैजनाथ ज्योतिर्लिंग की कथा बताई। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शोभा गुप्ता, प्रदेश महामंत्री समता अग्रवाल, विमलेश, अनीता, अनुराधा, अल्पना आदि शामिल हुईं।

प्रदर्शन के दौरान घायल जिला कांग्रेस अध्यक्ष सक्सेना को विशेष फ्लाइट से मेदांता दिल्ली भेजा गया

भोपाल। पटवारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में प्रदर्शन के दौरान घायल भोपाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोनू सक्सेना को कल गुड़गांव दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल रेफर कर दिया गया। उन्हें कल शाम विशेष फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया।

बता दें कि इस प्रदर्शन के दौरान उनकी आंखों में सूजन आ गई थी जो कम नहीं हो रही थी। वे भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे लेकिन उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो रहा था।

डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें दिल्ली के मेदांता अस्पताल शिफ्ट किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह से चर्चा के बाद उन्हें गुड़गांव के मेदांता अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया गया। बता दें कि 4 दिन पहले पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान मोनू सक्सेना सहित कई कार्यकर्ता घायल हो गए थे। उन्हें भोपाल के स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें अब दिल्ली के मेदांता अस्पताल शिफ्ट किया गया है।

विधायक संजय शुक्ला द्वारा किया गया विशाल रुद्राभिषेक का आयोजन, सैकड़ों नागरिकों ने किया भगवान शिव का अभिषेक

इंदौर। सावन सोमवार के अवसर पर आज विधायक संजय शुक्ला के द्वारा विशाल रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भाग लेकर सैकड़ों नागरिकों ने मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक किया।

विधायक संजय शुक्ला के द्वारा आज भागीरथपुरा में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया । इस आयोजन के लिए बारिश को देखते हुए भव्य वाटरप्रूफ पांडाल का निर्माण किया गया। इस रुद्राभिषेक में भाग लेने के लिए घर-घर जाकर लोगों को निमंत्रण दिए गए और उनका पंजीयन किया गया। आज सुबह इस आयोजन में भाग लेने के लिए बहुत से लोग जोड़े के साथ पहुंचे, तो बड़ी संख्या में महिलाएं और बालिकाएं भगवान शिव की आराधना के लिए पहुंची। लोग अपने घरों मैं पूजा घर में विराजित भगवान शिव को लेकर आए। आयोजन स्थल पर विधायक संजय शुक्ला ने भी अपनी पत्नी अंजली शुक्ला के साथ बैठकर रुद्राभिषेक किया।

आयोजन स्थल पर एक ही पांडाल में एक साथ बैठकर 4000 नागरिकों के द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। इस आयोजन के दौरान रुद्राभिषेक में भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों को हरिद्वार से सिद्ध कर लाया गया रुद्राक्ष भी वितरित किया गया। इसके साथ ही सभी के लिए फलाहार की व्यवस्था भी की गई थी। इस आयोजन के साथ ही पूरे माह चलने वाला विधायक संजय शुक्ला का महा रुद्राभिषेक महोत्सव प्रारंभ हो गया है। यह आयोजन लगातार 21 दिन तक चलेगा इस आयोजन में प्रमुख रूप से मदन यादव दयाल भत्कारे मांगिलाल रेडवाल रमेश बिंजवा राकेश तिवारी ओपी मिश्रा शुभम साँवरिया राजाराम बौरासी आशीष यादव मोहन खिंची गोपाल ठाकुर बंटी ठाकुर प्रवेश यादव धर्म ठाकुर गोलू यादव पूनम साँवरिया आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

सर, आईएएस बनने के लिये रोज कितने घंटे पढ़ना चाहिए?

स्कूल चलें हम अभियान में शामिल होने पहुँचे कलेक्टर से बच्चों के सवाल

ग्वालियर। हमने कितने ज्यादा घंटे पढ़ाई की, उससे ज्यादा यह महत्वपूर्ण है कि हमने एकाग्रता के साथ अर्थात मन लगाकर कितने घंटे पढ़ाई की है। सफलता के लिए कड़ी मेहनत के साथ-साथ धैर्य रखना भी जरूरी है। सफलता का मूल मंत्र यह भी है कि हम जिस समय जो काम कर रहे हैं उसे सबसे महत्वपूर्ण काम मानें। कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह ने ये बातें सीएम राईज स्कूल (पटेल उमावि) हजीरा के छात्र अंकुश कुशवाह द्वारा यह सवाल किए जाने पर बताईं कि सर आईएएस बनने के लिये रोज कितने घंटे पढ़ाई करना जरूरी है।

कलेक्टर श्री सिंह स्कूल चलें हम अभियान के पहले दिन भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत सीएम राईज स्कूल हजीरा के बच्चों के मार्गदर्शन और उन्हें बेहतर भविष्य के लिये प्रेरित करने पहुँचे थे। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुँचकर अनौपचारिक माहौल में बच्चों से खूब संवाद किया। शुरूआत में अपनी बात कहने में झिझक रहे बच्चों

ने बाद में खूब सवाल किए और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

सीएम राईज स्कूल हजीरा की 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों से कलेक्टर श्री सिंह ने ऋणात्मक व धनात्मक आवेश से जुड़े सवाल किए। साथ ही भौतिक शास्त्र विषय से संबंधित कुछ कठिन सवाल भी पूछे। बच्चों की झिझक को दूर करने के लिये कलेक्टर श्री सिंह ने जब सलाह दी कि जब आप तनाव महसूस करें तो लम्बी-गहरी सांस लें। उनका यह प्रयोग सफल रहा और जो सवाल बच्चों को कठिन लग रहे थे उनके उन्होंने सहजता के साथ जवाब दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों को सलाह दी कि किसी काम को छोटा न समझें और हलके में न लें। योग व प्राणायाम करें और सुबह के समय नाश्ता अवश्य करें।

कलेक्टर श्री सिंह सीएम राईज स्कूल की सामूहिक प्रार्थना में शामिल हुए। साथ ही 9वी कक्षा की छात्रा कु. पूनम प्रजापति के जन्म उत्सव की खुशियाँ भी साझा कीं। उन्होंने पूनम को बर्थडे गिफ्ट भी भेंट की। कलेक्टर ने सीएम राईज स्कूल हजीरा की लेबोरेटरी व कम्प्यूटर लाइब्रेरी का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय परिसर में जनप्रतिनिधियों के साथ अशोक का पौधा भी रोपा।

दैनिक
साध्य प्रकाश
दैनिक सांध्य प्रकाश के
52 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व
शुभकामनाएं
शुभेच्छु